RNI NO. 56331/93 वर्ष » 33 अंक » 110 जयपुर » शनिवार » 20 सितम्बर, 2025 पृष्ठ » 08 मूल्य » 2 रुपए

दैनिक
खबरों की दुनिया

संस्करण
जयपुर, टोंक और
मुरैना (मध्य प्रदेश)

Phone : 9414885972, 9829017239 KKDJPR@GMAIL.COM www.khabronkiduniya.com

संपादकीय

सीबीएसई व आरबीएसई एसआईटी का गठन कर करें औचक निरीक्षण

हाईकोर्ट ने स्कूल-कोचिंग गठबंधन को बताया शिक्षा प्रणाली पर कलंक

राजस्थान हाईकोर्ट ने डमी स्कूल कोचिंग गठबंधन को शिक्षा पर कलंक की संज्ञा दी है। हाईकोर्ट के जज अनूप ढंढ ने यह टिप्पणी कोटा की दो निजी स्कूलों और उनके छात्रों की ओर से दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की। अदालत ने राजस्थान बोर्ड एवं केंद्रीय शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिए कि वे एसआईटी का गठन करें। स्कूल और कोचिंग जहां डमी केंडिडेट बैठाने का गौरखधंधा चलता है उनकी जांच करें। यदि स्कूल में स्टूडेंट अनुपस्थित मिलता है तो तत्काल कोचिंग सेंटर में जाकर उसका पता लगाए। यदि वह कोचिंग सेंटर में पढ़ते हुए मिलता है तो स्कूल और कोचिंग के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। जब तक कठोर कार्रवाई नहीं होगी। तब तक यह गौरखधंधा बंद नहीं होगा।

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

शिक्षा समाज सेवा नहीं अपितु व्यापार बनकर रह गया

हाईकोर्ट ने डमी केंडिडेट का नाम स्कूल में चलाकर कोचिंग में पढ़ाने की परंपरा पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले शिक्षा समाज सेवा की श्रेणी में आती थी लेकिन आजकल लोगों ने इसे बिजनेस बना लिया है। आज प्रदेश में कई ऐसे स्कूल है जो 9वीं से 12वीं कक्षा तक अपने यहां डमी स्टूडेंट को प्रवेश देते हैं। अर्थात मोटी फीस लेकर वे स्कूलों में छात्रों का प्रवेश तो दिखाते हैं लेकिन छात्र उनके यहां एक दिन भी पढ़ने नहीं आते हैं। नाम स्कूल में चलता है और पढ़ता कोचिंग में हैं। इस प्रथा पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सही समय पर शिक्षा बोर्ड इस मुद्दे पर गौर करें और सख्त नियम बनाए जिससे विद्यार्थी की स्कूल में नियमित उपस्थिति हों। अनुपस्थित रहने पर कठोर कार्रवाई करें।

गतवर्ष सीबीएसई ने कई स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी थी

गत वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने डमी छात्र बैठाने की प्रवृति पर रोक लगाने के लिए कई स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी थी जितने विद्यार्थी नीट जेईई की तैयारी कर रहे हैं उतनी सीटें भी नहीं है। फिर भी कोचिंग वाले बड़े-बड़े विज्ञापन देकर छात्रों को फंसाते हैं उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं। राजस्थान ही नहीं बल्कि दूर दराज के राज्यों से भी केंडिडेट नीट इत्यादि की तैयारी करने इन कोचिंग के भरोसे में आते हैं। कोचिंग के आसपास पीजी खुल गए हैं। उनमें रहकर पढ़ाई करते हैं कोचिंग फीस के नाम पर कमा रहे हैं। स्कूल वाले डमी के नाम पर और कॉलोनी वाले पीजी के नाम से छात्रों को लूटकर अपना पेट भर रहे है।

माता-पिता की साइक्लॉजी में परिवर्तन जरूरी

इन कोचिंगों ने हमारे अभिभावकों की भी साइक्लोजी को पूरी तरह बदल दिया है। आरएएस, आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने के सपने दिखाकर आज का अभिभावक अपने बच्चों के बचपन के साथ खिलवाड़ कर उन्हें छठी कक्षा से ही कोचिंग में भेजते हैं और बिना बारहवीं पास किए ही उसे डॉक्टर आरएएस बनाने के सपने देखते हैं। जिससे छात्र अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी पूरी नहीं कर पाता है। माता-पिता की सोच में बदलाव की जरूरत है। हाईकोर्ट अभिभावकों पर रोक लगाए कि कोई भी अभिभावक 15 वर्ष से पूर्व अपने किसी छात्र को कोचिंग में नहीं भेजेगा। यद्यपि राज्य सरकार ने अभी हाल ही में कोचिंग बिल में ऐसा प्रावधान किया है।

कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय : नवीनतम स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होगी महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

मेडिकल कॉलेज में एनआरआई कोटे की फीस 7-लाख रुपए घटी कर्मचारी की मृत्यु पर माता-पिता को मिलने वाली पेंशन 20% बढ़ाई

खबरों की दुनिया

जयपुर। भजनलाल सरकार ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे की फीस घटा दी है। शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट में सरकारी मेडिकल कॉलेज के एनआरआई कोटे की सीट की फीस 31 लाख से घटाकर 23 लाख 93 हजार रुपए कर दी गई है।

इस फैसले से एनआरआई कोटे की फीस करीब 7 लाख रुपए कम होगी। गौरतलब है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे की फीस 24 लाख रुपए ही थी। इसके साथ ही कैबिनेट ने कर्मचारी की मृत्यु पर माता-पिता को मिलने वाली पेंशन भी 20% बढ़ा दी है। अभी तक कर्मचारी की मृत्यु के बाद माता-पिता को 30 फीसदी पेंशन मिलती थी। कैबिनेट ने सिविल सेवा नियम नियम 62 (3) को विलोपित कर दिया, जिसके बाद अब कार्मिक की मृत्यु होने पर उसके माता-पिता को भी 50 फीसदी पेंशन मिलेगी।

वहीं, कर्मचारियों के मानसिक विमंदित और निःशक्त बच्चों को शादी के बाद भी पारिवारिक पेंशन मिलेगी। इस पेंशन की सीमा को 8,550 से बढ़ाकर 13,750 तक करने की मंजूरी दी गई है। पहले शादी के बाद निःशक्त बच्चों को पारिवारिक पेंशन नहीं थी।

5200 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट के लिए जमीन आवंटन को मंजूरी

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि कैबिनेट ने 5,200 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट के लिए भूमि आवंटित करने की भी स्वीकृति दी है। इन प्रोजेक्ट्स की स्थापना से प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

पर्यटन एवं पुरातत्व विभागों में बढ़े पदोन्नति के अवसर

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान पर्यटन सेवा संवर्ग में स्वीकृत चतुर्थ पदोन्नति के पद वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक पर पदोन्नति के लिए प्रावधान निर्धारित किये जाने के लिए नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसमें राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय के संयुक्त निदेशक (पे लेवल-18) के नवसृजित पद को शामिल किया जाएगा।

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खुलेगी

कैबिनेट ने जयपुर में महाराणा प्रताप स्पोर्टस यूनिवर्सिटी की स्थापना को भी मंजूरी दी है। इस यूनिवर्सिटी की घोषणा बजट में की गई थी। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि आगामी विधानसभा सत्र में यूनिवर्सिटी के विधेयक को सदन में रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि यह यूनिवर्सिटी देश की पहली यूनिवर्सिटी होगी जो खेल विज्ञान, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस पर शोध को बढ़ावा देगी। इससे खेलों के गुणवत्ता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा।

यूपी में बिजली गिरने से 7 की मौत, मकान जला

हिमाचल में बादल फटा-लैंडस्लाइड; उत्तराखंड में 16 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर में 18 सितंबर की रात बादल फटा था। इसके बाद से 14 लोग लापता थे। कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटना के 16 घंटे बाद एक शख्स को मलबे से जिंदा रेस्क्यू किया गया। यहां पर 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हैं।

देहरादून-मसूरी रोड अभी भी क्षतिग्रस्त है। मसूरी में मौजूद 2 हजार के करीब टूरिस्ट्स सेफ हैं। इधर, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ। कौशांबी में बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हुई। इधर, उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। जौनपुर में 3, कौशांबी में 2 और हमीरपुर-चंदौली में 1-1 की जान गई है। प्रतापगढ़ के गोविंदपुर गांव में बिजली गिरने से एक घर में आग लग गई, हालांकि काबू पा लिया गया है।

शिमला की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सर्कुलर रोड बंद है। एडवर्ड स्कूल की शनिवार की छुट्टी की गई है। कुमारसैन की करेवथी में भी तीन मंजिला मकान धंसा गया। राज्य में बाढ़-बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन औसत 1097.28 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से 187.96 एमएम ज्यादा है। गुना में सबसे ज्यादा 1651 एमएम बारिश हुई। जबकि खरगोन में सबसे कम 665.48एमएम बारिश हुई।

मणिपुर में सुरक्षाबलों पर हमला, असम राइफल्स के 2 जवान शहीद, 4 घायल

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार शाम अज्ञात हमलावरों ने असम राइफल्स की गाड़ी पर हमला कर दिया। हमले में 2 जवान शहीद हो गए, जबकि 4 जवान घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस और स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना शाम करीब 6 बजे नम्बोल सबल लाइकाई इलाके में हुई, जब असम राइफल्स के जवान इम्फाल से बिष्णुपुर की ओर जा रहे थे। हमलावरों ने घात लगाकर वाहन पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा- हमारे बहादुर जवानों पर घात लगाकर किए गए इस हमले की खबर से मैं गहराई से दुखी हूं। दो जवानों की शहादत और कई के घायल होने की खबर हम सबके लिए बड़ा झटका है। उन्होंने कहा- शहीदों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना है। जवानों का साहस और बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और इस घिनौने हमले के दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले 4 शूटर गिरफ्तार

एजेंसी

बरेली। यूपी के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले 4 और शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को बरेली पुलिस और एसओजी टीम ने दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा। इनके नाम राम निवास और अनिल हैं। मुठभेड़ में पुलिस ने राम निवास के पैर पर गोली मारी है। उसने कहा, आरोपी अब यूपी में नही आएंगे, बाबा की पुलिस के आगे नहीं आएंगे। राम निवास राजस्थान के ब्यावर जिले के जैतारण थाना क्षेत्र के बेडकला गांव का रहने वाला है। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। वहीं, अनिल हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है।

मुठभेड़ बरेली में थाना क्षेत्र के बिहारीपुर नदी पुल के पास हुई। पुलिस ने बताया, इन दोनों ने दिशा पाटनी के घर की रेकी थी।

बीकानेर में पूर्व सरपंच को कुल्हाड़ी से काट डाला

बीकानेर। बीकानेर में पूर्व सरपंच की हुई नृशंस हत्या से सनसनी फैल गई है। हत्या के बाद से उसका भतीजा फरार है, ऐसे में पुलिस को उसी पर शक है। पूर्व सरपंच का मर्डर कुल्हाड़ी से किया गया है। घटना जिले के श्रीडूंगरगढ़ के धीरदेसर चोटियान गांव की गुरुवार देर रात की है। श्रीडूंगरगढ़ डीएसपी निकेत पारीक ने बताया कि पूर्व सरपंच मेघराज चोटिया (70) और उसके भतीजे बलबीर के बीच देर रात झगड़ा हुआ था। दोनों में दुकान को लेकर विवाद था। आशंका है कि बलबीर ने मेघराज की कुल्हाड़ी से वारकर हत्या कर दी। झगड़े दौरान मेघराज की पत्नी रामी देवी घर पर ही थी, लेकिप वो सो रही थी।

इंदौरः दशहरा पर शूर्पणखा के रूप में जलेंगे पति की हत्या करने वाली महिलाओं के पुतले

इंदौर। इस बार दशहरा पर शूर्पणखा और उसकी सेना के पुतले जलाएं जाएंगे। शूर्पणखा के पुतले पर इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हनीमून पर हत्या करने वाली उसकी पत्नी सोनम का चेहरा लगाया जाएगा, जबकि पतियों की हत्या करने वाली अन्य महिलाओं के चेहरे शूर्पणखा की सेना के पुतलों पर लगाए जाएंगे। पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली पौरुष नाम की संस्था 2 अक्टूबर को दशहरा के दिन इंदौर के दम्हा लक्ष्मी नगर मेला ग्राउंड में पुतलों का दहन करेगी। दहन से पहले पुतलों को ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस के रूप में पूरे शहर में घुमाया जाएगा। पीड़ित परिवारों को आयोजन में बुलाया गया है।

जयपुर समेत 5 जिलों में बारिश

जयपुर में बारिश के बाद अजमेर रोड पर पानी भर गया। इससे वाहन चालको और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सवाई माधोपुर में दुकानों-घरों में पानी घुसा, राजसमंद में बरसात से कैंप छोड़ गए कर्मचारी

खबरों की दुनिया

जयपुर। राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। राज्य के आधे से ज्यादा हिस्से से मानसून जा चुका है। जाते हुए मानसून से राज्य में भारी बारिश हो रही है। 18 सितंबर से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार देर शाम तक जारी रहा। उदयपुर, कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई जिलों में तेज बारिश हुई। इन संभाग के इलाकों में 4 इंच से ज्यादा बरसात दर्ज हुई। सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में घर-दुकानों में पानी घुस गया। राजसमंद में बारिश के बाद कर्मचारी सेवा शिविर छोड़ गए।

जयपुर में शुक्रवार दोपहर 2 बजे बाद बादल छा गए। इसके बाद हवा चलने लगी। दोपहर 3.15 बजे से शहर के कुछ इलाकों में बारिश शुरू हो गई।

सवाई माधोपुर में चौथ का बरवाड़ा में शुक्रवार को बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। निचले इलाकों में पानी भरने से लोग परेशान दिखे। तेज बारिश के चलते बरवाड़ा के रेलवे स्टेशन चौराहा, सब्जी मंडी रूट, पुलिस थाना मार्ग पर हाल-बेहाल नजर आया।

प्रशिक्षु आरपीएस के 55वें बैच का दीक्षांत समारोह -मुख्यमंत्री ने की आरपीए में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा

एक्टिव पुलिसिंग से प्रदेश में गिरा अपराध का ग्राफ : भजनलाल शर्मा

खबरों की दुनिया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कड़ी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

महिला पुलिस अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं।

पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही पुलिस में बढ़े तकनीकी कुशलता

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

ईमानदारी पुलिस का सबसे शक्तिशाली हथियार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के लिए ईमानदारी सबसे शक्तिशाली हथियार है। पुलिस को किसी भी तरह के दबाव में ना आकर सदैव धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा कि पुलिसिंग एक टीम का काम है। जब हम साथियों के साथ मिलकर काम करते हैं, तो हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपसी भाईचारा और विश्वास से ही हम प्रत्येक चुनौती का आसानी से सामना कर सकते हैं।

कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में उठाए गए ठोस कदम

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से अब तक अपराधों में 19.45 प्रतिशत की कमी आई है। अनुसूचित जाति वर्ग के विरूद्ध अत्याचार में 17.80 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति वर्ग पर अत्याचार के मामलों में 18.77 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि महिला अत्याचार के मामलों में भी 9.24 प्रतिशत की कमी आई है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रख न्याय व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर तकनीकी नवाचार, त्वरित अनुसंधान एवं कार्यकुशलता का उन्नयन किया जा रहा है।

शर्मा ने इस अवसर पर राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को पुरुस्कृत किया तथा सामूहिक फोटो खिंचवाया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया तथा परेड की सलामी ली। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत तथा निदेशक आरपीए एस. सेंगाथिर सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खबरों की दुनिया

एक नजर

सीकर के बेटे वेद साबू ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, सबसे कम उम्र में पास की इंटरनेशनल ड्रम्स परीक्षा

खबरों की दुनिया

सीकर। सीकर के बेटे वेद साबू ने विश्व स्तर पर इतिहास रच दिया है। मात्र 7 वर्ष, 9 माह और 22 दिन की उम्र में उन्होंने Trinity College London की प्रतिष्ठित रॉक एंड पॉप ग्रेड-8 ड्रम्स परीक्षा पास कर ली और विश्व का सबसे कम उम्र का ड्रमर बनने का गौरव प्राप्त किया।

वेद साबू, 99 वर्षीय परमानंद साबू (सीकर निवासी) के पोते हैं। उनका जन्म 24 जुलाई 2017 को सीकर में हुआ और वर्तमान में वे दुबई (यू.ए.ई.) में रहते हैं। यह परीक्षा Trinity College London द्वारा डिजिटल (ऑनलाइन) प्रारूप में आयोजित की गई थी। रिकॉर्ड प्रयास का आधिकारिक पंजीकरण दुबई, यू.ए.ई. में हुआ।

परिवार की खुशी

परिवार के बुजुर्ग परमानंद साबू ने इस उपलब्धि पर अपार हर्ष व्यक्त करते हुए कहा 'हमारे परिवार के लिए यह गर्व का क्षण है। वेद ने कम उम्र में जो मुकाम हासिल किया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।'

वेद के माता-पिता ने भी कहा कि यह सफलता निरंतर अभ्यास, मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

पुरोहित का बास में 11 वर्षीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

खबरों की दुनिया

सीकर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुरोहित का बास में गुरुवार को 11 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए 15 कबड्डी टीम, 15 खो-खो टीम, 40 एथलेटिक्स टीम, 5 जिम्नास्टिक टीम, 50 सुंदर लेख और अंत्याक्षरी टीमों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती थे। विशिष्ट अतिथियों में सीकर के पूर्व विधायक रतन जलधारी, पंचायत समिति पिपराली की प्रधान बनारसी देवी, पुरोहित का बास के पूर्व सरपंच प्रभुजी गुर्जर, और भाजपा ब्लॉक अध्यक्ष पिपराली सरवन मूंड शामिल थे। साथ ही, सीबीईओ दुर्गा देवी भी इस समारोह में उपस्थित रहीं। विद्यालय की संस्था प्रधान इमरता चौधरी ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस आयोजन में भामाशाह और युवा नेता राजू गुर्जर का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन अनीता आर्य ने किया, जिन्होंने अपने प्रभावी उद्बोधन से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें आरपी रवि जोशी, पूर्व सरपंच गोपीराम, पूर्व सरपंच मुन्नी प्रजापत, पूर्व सरपंच बन्ना राम गुर्जर, वर्तमान सरपंच अजय कुमावत, पूर्व पंचायत समिति सदस्य केसर, फूल चंद धीवा, और व्याख्याता पूरन गुर्जर शामिल थे।

इस खेलकूद प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और बच्चों को खेल भावना के महत्व को समझाना है। यह प्रतियोगिता 20 तक चलेगी, जिसमें विजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

आनन्द सिंह भवानीपुरा अखिल भारत हिन्दू क्रांति सेना के राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त हुए

खबरों की दुनिया

सीकर। अखिल भारत हिन्दू क्रांति सेना के संरक्षक भंवर सिंह पलाड़ा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने समाजसेवी आनन्द सिंह भवानीपुरा को अखिल भारत हिन्दू क्रांति सेना को राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किया है।

आनन्द सिंह भवानीपुरा पूर्व में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष राजस्थानी भाषा संघर्ष समिति सीकर, पूर्व उपाध्यक्ष सीकर विकास मंच, अध्यक्ष श्री करणी नवयुवक मण्डल सीकर, प्रवक्ता शेखावाटी चारण महासभा सीकर सहित कई पदों पर कार्य कर चुके है।

आनन्द सिंह भवानीपुरा की नियुक्ति सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक व गैर राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है। आनन्द सिंह भवानीपुरा ने बताया है कि सनातन धर्म व हिन्दू धर्म को लेकर सम्पूर्ण शेखावाटी क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर कार्य किया जाएगा।

मांगों को लेकर हजारों पुजारी एक मंच पर

खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। प्रसिद्ध धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में पुजारी सेवक महासंघ का द्वितीय प्रांतीय महाधिवेशन बड़े धूमधाम से आयोजित हुआ। जयपुर वालों की धर्मशाला में आयोजित इस अधिवेशन में प्रांतीय संरक्षक महंत मोहन सिंह चौहान दास महाराज सहित अनेक महंत, संत और हजारों पुजारी एक मंच पर जुटे। सम्मेलन में पुजारियों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान 13 सूत्री मांगपत्र राज्य सरकार के समक्ष रखा गया, जिसमें पुजारियों की सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था से जुड़ी अहम समस्याओं के समाधान की बात प्रमुख रही। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार ने समय रहते मांगों पर अमल नहीं किया तो महासंघ को बड़े आंदोलन की राह अपनानी पड़ेगी। अधिवेशन में महासंघ के महामंत्री रतनलाल शर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा, कोषाध्यक्ष रामनिवास तिवारी, उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, गिर्राज माटोलिया, कार्यालय मंत्री विश्वनाथ शर्मा, सीकर जिलाध्यक्ष शंकरलाल शर्मा और उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों ने मंच संचालन व स्वागत कार्यभार संभाला। कार्यक्रम में प्रदेश, संभाग, जिला और तहसील स्तर की कार्यकारिणी के पदाधिकारी व पुजारी सेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अधिवेशन ने पुजारियों की एकता और संगठन की मजबूती को दर्शाते हुए भविष्य की दिशा तय की।

पुजारियों ने दिया ज्ञापन

खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। कस्बे में मास्टर प्लान 2041 के अंतिम प्रारूप/नक्शे में संशोधन करते हुए प्रभावित मंदिर माफी की जमीनों को वर्तमान स्थिति में ही बनाए रखने को लेकर प्रांतीय पुजारी महासंघ अधिवेशन में पहुंचकर मंदिर माफी की जमीन को अधिग्रहण नहीं करने को लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में मांग कि नगर नियोजन विभाग जयपुर द्वारा मास्टर प्लान 2041 के प्रारूप का अंतिम अनुमोदन कर दिया गया है। जिसमें प्रभावित लोगों ने आपत्तियां एक माह तक मांगी गई थी। प्रारूप में जो नक्शा जारी किया गया था उसमें मंदिर माफी की जमीनों को प्रभावित नहीं दिखाया गया था जिस कारण पुजारियों जो कि मंदिर माफी की जमीनों के संरक्षक माने गए है द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई। किंतु अंतिम अनुमोदन से पूर्व नवीन प्रभावित जमीनों से जुड़े लोगो से किसी भी प्रकार की आपत्ति आमंत्रित किए बिना ही अंतिम प्रारूप/नक्शे का अनुमोदन कर दिया गया जिसमे मंदिर माफी की जमीनों को सार्वजनिक उपयोग/अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग/पार्क/खुले मैदान/स्टेडियम के रूप में दर्शा दिया गया है जो कि न्यायोचित नहीं है, मंदिर माफी की जमीनों से होने वाली आय ही मंदिर के रख रखाव, जीर्णोधार एवं भोग आदि की व्यवस्था का एकमात्र जरिया है।

उक्त जमीनों को सार्वजनिक उपयोग में लिए जाने से मंदिरों का रख रखाव तथा भोग आदि समस्त व्यवस्थाए प्रभावित हो जायेगी, प्राचीन मंदिर जो कि 400 वर्षों से अधिक पुराने होने की बजह में अपना ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रखते हैं उनकी जमीनों को मास्टर प्लान के अन्तिम प्रारूप। नक्शे में प्रभावित करते हुए उन्हें सार्वजनिक उपयोग/अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग/पार्क/ खुले मैदान/ स्टेडियम के रूप में दर्शा दिया गया है। जबकि अनुमोदित मास्टर प्लान में उपलब्ध सभी सरकारी भूमियों का उपयोग नहीं किया गया है, नगरिय सीमा में 6 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित किया गया है किंतु उपरोक्त प्रयोजन हेतु इन ग्रामों की एक भी सरकारी भूमियों का उपयोग नहीं दर्शाया गया है। जबकी खाटूश्यामजी सहित इन सभी ग्रामों में इन उद्देश्यों हेतू पर्याप्त राजकीय भूमि उपलब्ध हैं, इन मंदिर माफ़ी की जमीनों पर लगभग 100 पुजारी परिवारों की आजीविका टिकी हुई हैं यदि उपरोक्त जमीनों का अधिग्रहण होता है तो सभी पुजारी परिवार बेघर होने के साथ भूखे रहने का संकट उत्पन्न हो जायेगा। पुजारियों ने खाटूश्यामजी मास्टर प्लान 2041 के अंतिम प्रारूप/ नक्शे में संशोधन करवाते हुए प्रभावित मंदिर माफी की जमीन मास्टर प्लान में नहीं ले।

श्याम मंदिर में भजन संध्या का हुआ आयोजन

खबरों की दुनिया

लक्ष्मणगढ़। सोमाणी गैस एजेंसी के पास स्थित श्याम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए युवा मित्र मंडल के आकाश झुरिया ने बताया कि पुजारी रवि जोशी के सानिध्य मेंआयोजित भजन संध्या में मयंक शर्मा, तिलक वर्मा, सतपाल सिंह, अमित खुड़ीवाला, लक्की कुमावत, पवन शर्मा निर्मल, जयकांत खरादी, कुसुम नीलिमा शर्मा, अंकित खाटूवाला, गणेश सोनी, सतीश कुमावत, विकास कुमार, गणेश सोनी, पवन खाटूवाला, सुनील सोनी, दीपक सोनी ने भजनों के माध्यम से बाबा श्याम को रिझाया जाएगा। मंडल के शिव कुमार गठेलवाल ने बताया कि इससे पूर्व बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाकर बाबा श्याम का आलौकिक श्रृंगार किया गया तथा दिव्य ज्योति जलाई गई। कार्यक्रम में पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा, गजरा नृत्य, बाबा का खजाना, आदि प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहें। इससे पूर्व यजमान गणेश मोदी द्वारा बाबा श्याम की विधिवत् पूजा करवाई गई एवं बाबा श्याम का पंचामृत से अभिषेक किया गया।

प्रिंस कॉलेज में एनसीसी भर्ती का आयोजन

खबरों की दुनिया

सीकर। जयपुर-बीकानेर बाईपास स्थित प्रिंस कॉलेज में नेशनल कैडेट कॉर्पस एनरोलमेंट 2025-26 के तहत् 3 राज बटालियन सीकर द्वारा एनसीसी भर्ती का आयोजन किया गया। एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट विजयपाल सिंह व लेफ्टिनेंट निरुपम सुण्डा ने बताया कि 3 राज बटालियन के कर्नल शाहजी पी, सूबेदार कुलबीर सिंह, सीएचएम एम.हुसैन, रिंकू सिंह एवं हवलदार महेन्द्र कुमार के निर्देशन में एनसीसी कैडेट्स का चयन कर भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न की गई।

एनसीसी कैडेट्स का चयन शारीरिक व मानसिक दक्षता तथा लिखित व मौखिक परीक्षा के आधार पर किया गया। चयन प्रक्रिया में 120 विद्यार्थी शामिल हुए जिनमें 25 विद्यार्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान प्रिंस कॉलेज प्रबंध निदेशक ब्रिगेडियर जय सिंह, प्राचार्य मनीष यादव, एनसीसी इंस्ट्रक्टर शंकर लाल, जी सीआई सुमन विश्नोई आदि उपस्थित रहे।

शेखावाटी विश्वविद्यालय में एबीवीपी ने जीत का जश्न मनाया

खबरों की दुनिया

सीकर। देश की सबसे बड़ी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में 3 सीटों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है जो राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत होने पर कार्यकर्ताओ में खुशी की लहर है जिसका कार्यकर्ताओं ने शेखावाटी विश्वविद्यालय मुख्यद्वार पर आतिशबाजी करके जश्न मनाया। इस दौरान विभाग संयोजक उत्तम चौधरी ने बताया देश के युवा छात्र राष्ट्रवादी विचारधारा के समर्थन में हमेशा मजबूती से खड़ा है यह जीत युवाओं की राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। इस विजय से परिषद की छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में परिवर्तित करने की यात्रा को और अधिक गति मिलेगी।

इकाई अध्यक्ष विकास गुर्जर ने बताया कि एबीवीपी वर्षभर के कार्यों व आगामी विजन पर चुनाव लड़ती है।

अभाविप जातिवाद क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर हर छात्र के साथ हमेशा खड़ी रहती है। जिस पर आम विधार्थियों ने विश्वास जताया है। जिससे दिल्ली विश्वविद्यालय में राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत हुई है। इस दौरान संदीप सेवदा, आशीष कुल्हरी, रमेश भींचर, तेजकरण कुल्हरी, सतेन्द्र योगी, कृष्ण सेवदा, रितेश चौधरी, सतवीर मीणा, सचिन गुर्जर, अंकित कालावत, अमरचंद योगी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध हरदयाल स्कूल में जागरूकता रैली निकाली

खबरों की दुनिया

सीकर। आयुक्त नगर परिषद, सकिर शशिकांत शर्मा ने बताया कि हरदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली। इस रैली के दौरान बच्चों ने जोरदार नारे लगाकर लोगों से अपील की कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग बंद किया जाए। रैली के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को कपड़े के थैले भी वितरित किए गए, ताकि वे स्वयं भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

गोवर्धन पर्वत की पूजा, श्रीकृष्ण-रुक्मणि विवाह का वर्णन

खबरों की दुनिया

फतेहपुर। जैन भवन में नौ द्विवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। कथा वाचिका सात साल की कृष्णा किशोरी व्यास ने कथा में श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण ने इंद्र के घमंड को तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया। इंद्र को अपनी शक्ति और पद पर घमंड हो गया था। वृंदावनवासी अच्छी फसल के लिए इंद्र की पूजा करते थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया कि गोवर्धन पर्वत की उपजाऊ धरती से ही घास उगती है। उसी घास से गाय, बैल और अन्य पशु चरते हैं। उनसे दूध मिलता है। वे खेत जोतने में भी मदद करते हैं। इसलिए गोवर्धन की पूजा जरूरी है। बृजवासियों ने श्रीकृष्ण की बात मानी। इंद्र की पूजा छोड़ दी।

गोवर्धन की पूजा शुरू की। इससे इंद्र क्रोधित हो गए। उन्होंने मूसलधार बारिश शुरू कर दी। तब श्रीकृष्ण ने अपने बाएं हाथ की कनिष्ठ अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया। सभी लोग और पशु उसके नीचे सुरक्षित रहे। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई। पंडाल में गोवर्धन पर्वत बनाकर 56 प्रकार की मिठाइयों का भोग लगाकर पूजा की गई। कृष्ण व रुक्मिणी के विवाह की जीवंत झांकी सजायी गई। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगलगीत गायें एवं बधाईयां बाँटी गई। मुख्य यजमान रवि बियाणी-अनिता बियाणी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं रूकमणी की पूजा की

बांसुरी बजाकर गोपियों को महारास के लिए बुलाया कथा में रुक्मणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। संगीतमय कथा में बताया गया कि श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों को महारास के लिए बुलाया। महारास में जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हुआ। श्रीकृष्ण ने 16 हजार कन्याओं से विवाह कर सुखमय जीवन बिताया। रुक्मणी विवाह की झांकी ने श्रद्धालुओं को आनंदित कर दिया।

विवाह प्रसंग आते ही कथा मंडप में श्रीकृष्ण-रुक्मणी पर फूलों की वर्षा हुई। श्रद्धालु झूम उठे। कथावाचिका ने कहा कि जो भक्त रुक्मणी विवाह उत्सव में शामिल होते हैं, उनकी वैवाहिक समस्याएं समाप्त हो जाती हैं। कार्यक्रम में संत रोशन नाथ महाराज, संत मुक्ति नाथ, संत गोपेशाचार्य महाराज, मधुसूदन भिंडा, पुरूषोतम आचार्य, रामावतार जैन, रवि जैन, एडवोकेट गिरधारी निर्मल, अनूप बियांला, मोहन धानूका, कमल सैनी, विनोद महला, गिरधारीचोटिया, विजय देवड़ा, डॉ आशूतोष शर्मा, अभिषेक जोशी, सोमनाथ नायक, प्रमोद बबेरवाल, सहित अनेक लोगमौजूद रहे।

शहरी सेवा शिविर में कई कार्यों का निस्तारण, नागरिकों को मिले लाभ

खबरों की दुनिया

सीकर। नगर परिषद फतेहपुर द्वारा शुक्रवार को कस्बे के एस.के. देवड़ा स्कूल में वार्ड संख्या 31 से 35 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किया गया। आयुक्त अनिता खीचड़ ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रकार की समस्याओं और सेवाओं के लिए नागरिकों द्वारा आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

स्ट्रीट लाइट संबंधी शिकायतें 12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 86 स्ट्रीट लाइटों को ठीक किया गया। पट्टा वितरणः कृषि भूमि के अंतर्गत एक पट्टा वितरित किया गया, 69(क) श्रेणी के दो आवेदन प्राप्त हुए। गृहकर के दो आवेदन प्राप्त हुए। निराश्रित गोवंश के तीन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 12 गोवंश को नंदीशाला भेजा गया। सड़क और नाली कार्य के 43 वर्ग मीटर सड़क का पेचवर्क एवं 810 मीटर नाली की सफाई की गई। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 114 आवेदन प्राप्त हुए जिनका निस्तारण कर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान राजस्व परिषद को कुल 8,500 रुपए की राशि प्राप्त हुई।

शिविर में सभापति मुश्ताक नजमी, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुशील पंवार सहित पार्षद दिनेश बियालां, राजूदेवी, रामवतार रूँथला, अशोक बोचीवाल, विद्याधर बगड़िया, मनोज शर्मा आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खबरों की दुनिया

एक नजर

युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है राज्य सरकार : प्रेमचंद बैरवा

खबरों की दुनिया

जयपुर । उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने प्रतापनगर, जयपुर स्थित आयुष भवन में चल रही आयुष यू.जी. काउंसलिंग-2025 की व्यवस्थाओं का शुक्रवार को जायजा लिया और काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उनसे व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने काउंसलिंग वाले अभ्यर्थियों को एलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूरी व्यवस्था की है कि काउंसलिंग में विद्यार्थियों व उनके परिवारजनों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। इस पर उपस्थित अभिभावकों और अभ्यर्थियों ने बताया कि बदली हुई व्यवस्था वे स्वयं महसूस कर रहे हैं, इसके लिए राज्य सरकार का आभार प्रकट करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रत्येक विजन और नीति में युवा केन्द्र बिन्दु है। मुख्यमंत्री की सोच है कि चाहे शिक्षा का मामला हो या स्वरोजगार का, राज्य में युवा को भरपूर सहायता, अवसर और मार्गदर्शन प्रदान कर उसे वैश्विक मंच पर सफलता प्राप्त कर राज्य और राष्ट्र के विकास में पूर्ण भागीदार बनाने की भूमिका में लाना है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी में किया इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का उद्घाटन

आत्मनिर्भरता से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना : भूपेंद्र यादव

2047 तक विकसित भारत का सपना, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी सोच से होगा साकार

खबरों की दुनिया

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने खैरथल-तिजारा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आत्मनिर्भरता पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल चरखे से केवल कपड़ा बनाना नहीं बल्कि चरखे से चंद्रमा तक पहुँचना है। उन्होंने बताया कि कोविड काल में 140 करोड़ लोगों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर भारत ने आत्मनिर्भरता का परिचय दिया, वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, नेशनल हाईवे, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्र में व्यापक विकास संभव हुआ है।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जिला प्रशासन एवं लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में 12वाँ इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचार एवं उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया और उसका अवलोकन किया। तत्पश्चात उन्होंने आधिकारिक रूप से 12वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का उद्घाटन किया और मेले में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि लघु उद्योग भारती राष्ट्रीय विचारधारा के अनुरूप नॉलेज शेयरिंग, स्किल डेवलपमेंट और व्यापार वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जन विश्वास बिल, ग्रीन क्रेडिट योजना और जीएसटी के सरलीकरण जैसे कदम उठाए हैं। ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत औद्योगिक इकाइयां वनों का विकास करके ग्रीन क्रेडिट कमा सकेंगी, जो ट्रांसफरेबल भी होगा। वहीं जीएसटी को 5: और 18: के दो ही स्लैब में बांटने से आमजन को राहत मिलेगी। एमएसएमई सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और विभिन्न अभियानों के जरिए बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हुआ है।

उन्होंने बताया कि भिवाड़ी के विकास हेतु एकीकृत एजेंसी भिवाड़ी डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन किया गया है, जो स्वच्छता एवं विकास के लिए समर्पित है। औद्योगिक इकाइयों के दूषित पानी के उपचार हेतु 6 एमएलडी सीईटीपी स्थापित की गई है जिससे गंदे पानी को शोधित कर पुनः उपयोग में लिया जाएगा, वहीं घरेलू दूषित पानी के निस्तारण के लिए 34 एमएलडी एसटीपी का कार्य प्रगति पर है। वर्षा के समय पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले पानी के निस्तारण हेतु एनीकट और सराय खुर्द बांध का उपयोग किया जाएगा। नेशनल हाईवे पर जलभराव की समस्या के समाधान हेतु केंद्रीय सड़क मंत्री के निर्देश पर एनएचएआई और दोनों राज्यों के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक आगामी माह में आयोजित की जाएगी। साथ ही नीमराना-भिवाड़ी लिंक रोड का कार्य भी तेज गति से प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र में 108 ई-गुरुकुल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को कॅरियर निर्माण, डिजिटल कोर्सेज, नई तकनीकों की ट्रेनिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधाएं मिलेंगी। यह योजना राजस्थान समग्र शिक्षा अभियान के सहयोग से एमओयू के तहत चलाई जाएगी जिसमें देश की प्रमुख डिजिटल कंपनियों के कोर्स उपलब्ध होंगे। युवाओं की क्षमता निर्माण हेतु लघु उद्योग भारती के सहयोग से स्किल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही भिवाड़ी में स्पोर्ट्स स्टेडियम और नया गवर्नमेंट हॉस्पिटल भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा जिससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती प्रकाशचंद ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र के सतत् विकास के लिए नैतिकता और गुणवत्ता का समायोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें मानवीय मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारी भी निहित होनी चाहिए। औद्योगिक इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे परंपरागत उद्योगों ने समय के साथ नई तकनीक और नवाचार को अपनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। प्रकाशचंद ने कहा कि आने वाला समय टेक्नोलॉजी आधारित और ग्रीन इंडस्ट्री का होगा, इसलिए उद्योगों को अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लघु उद्योग भारती के प्रयासों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देंगे बल्कि रोजगार सृजन और ग्रामीण-शहरी संतुलित विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को औद्योगिक इकाइयों द्वारा निर्मित उत्पादों की जानकारी मिलेगी, जिससे वे उद्योगों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर युवाओं को न केवल प्रेरित करेंगे बल्कि उन्हें अपने स्वयं के व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए उत्साहित भी करेंगे। महंत बालक नाथ ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा , जब स्थानीय स्तर पर उद्योग-धंधों का विस्तार होगा और युवा रोजगार मांगने वाले के बजाय रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्टार्टअप, नवाचार और कौशल विकास की ओर आगे बढ़ें और सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर क्षेत्र को औद्योगिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भिवाड़ी जैसे औद्योगिक क्षेत्र पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के विकास में अहम योगदान देंगे।

बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में डेयरी सेक्टर को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इससे किसानों की आमदनी दोगुनी करने का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पशुपालन और डेयरी व्यवसाय की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें आधुनिक तकनीक, बेहतर नस्लों के संवर्धन और कोल्ड स्टोरेज एवं प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना से और अधिक सशक्त किया जा सकता है।

फेयर के दौरान प्रतिदिन वेंडर डेवलेपमेंट और तकनीकी विषयों पर सरकारी विभागों एवं विषय-विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन में उद्योग जगत, उद्यमियों और युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रहेगी, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, महासिंह चौधरी, लघु उद्योग भारती के सुधीर गर्ग, नरेश पारीक, एल.एन. गुप्ता, संदीप दायमा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

इसके पश्चात भूपेंद्र यादव भिवाड़ी स्थित जेनेसिस मॉल पहुंचे, जहां आइनॉक्स थियेटर में उन्होंने डॉक्यूमेंट्री 'चलो जीते हैं' की विशेष स्क्रीनिंग देखी। यह डॉक्यूमेंट्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचारधारा और सामाजिक सेवा की भावना पर आधारित है, जो युवाओं को प्रेरित करती है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य दूसरों के लिए जीना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, उद्योग जगत से जुड़े लोग और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। फिल्म प्रदर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'चलो जीते हैं' केवल एक डॉक्यूमेंट्री नहीं बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश है, जो देश के हर युवा को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े में विजेताओ को किया सम्मानित

खबरों की दुनिया

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। 15 दिन चले इस पखवाड़े में विद्यार्थियों के लेखन कौशल, वाक् कौशल एवं कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कार्यालय कर्मयोगियों के लिए टंकण प्रतियोगिता तथा राजभाषा प्रश्नावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा प्रो नरेश दाधीच ने कहा कि जिस प्रकार अन्य देशों के साहित्यकारों अथवा भाषा के दार्शनिकों का सम्मान किया जाता है, यदि भारत में भी भारतीय भाषाओ के मनिषियों का वैसा सम्मान होता तो भाषा के प्रति ऐसी उदासीनता दिखाई नहीं देती। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के निदेशक प्रो. वाई. एस. रमेश ने कहा कि हमें भाषाओ के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए और हिन्दी को यह मानकर नहीं पढ़ना चाहिए कि वह तो हमें आती ही है। परिसर के सह-निदेशक प्रो. बोधकुमार झा ने कहा कि हिन्दी साहित्य को समझने के लिए तुलसी दास की काव्य प्रतिभा और मर्मज्ञता को समझना आवश्यक है। हिन्दी विद्यशाखा की अध्यक्ष डॉ. रेखा पाण्डेय अतिथियों का स्वागत किया तथा इस हिंदी पखवाड़े में आयोजित कार्यक्रम के बारे में बताया हिंदी पखवाड़े में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता कार्यालय कर्मयोगियों के लिए टंकण प्रतियोगिता तथा राजभाषा प्रश्नावली प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया गया पखवाड़े के उद्देश्य बताते हुए कहा कि भाषा किसी व्यक्ति या समुदाय की पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक समुदाय की भाषा उसकी संस्कृति, इतिहास और मूल्यों को दर्शाती है। समापन समारोह का संयोजन डॉ. सुभाषचन्द्र एवं कैलाश चन्द्र सैनी तथा सह-संयोजन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया। डॉ. दीक्षिता अजवानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर प्रो. लोकनाथ मिश्र डॉ रानी दाधीच डॉ नमिता मित्तल डॉ विनी शर्मा सांवर मल धीरज कुमार सहित अनेक छात्र छात्राये उपस्थित थे।

एयू जयपुर साइक्लोथॉन का सातवाँ संस्करण 28 सितम्बर को

जयपुर(खबरों की दुनिया) । जयपुर रनर्स क्लब एवं संस्कृति युवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और इटरनल हॉस्पिटल के सहयोग से एयू जयपुर साइक्लोथॉन का सातवाँ संस्करण 28 सितम्बर 2025 को आयोजित होने जा रहा है। यह भव्य आयोजन विश्व हृदय दिवस के अवसर पर किया जा रहा है। इस बार साइक्लोथॉन में साइकिल यात्रा और दौड़ दोनों वर्ग होंगे -

साइकिल यात्रा के वर्ग: 100 किलोमीटर, 50 किलोमीटर, 25 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर

दौड़ का वर्ग: 5 किलोमीटर

यह आयोजन न केवल हृदय स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश देगा, बल्कि साथ ही महिला सुरक्षा और स्वच्छ जयपुर अभियान को भी बढ़ावा देगा। प्रतिभागियों को इस सन्देश के साथ प्रेरित किया जाएगा कि स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ समाज ही एक सशक्त भारत की नींव है। इसके साथ ही 27 सितम्बर को जयपुर साइक्लिंग पुरस्कार का आयोजन इटरनल हॉस्पिटल के सभागार में होगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले साइकिल चालकों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन की जानकारी देते हुए एयू जयपुर साइक्लोथॉन के प्रधान कार्यकारी अधिकारी एवं जयपुर रनर्स क्लब के सह-संस्थापक मुकेश मिश्रा और आयोजन समिति के चेयरमैन सुधीर जैन ने कहा - हमारा उद्देश्य फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाना है। इस आयोजन के माध्यम से हम जयपुर को एक स्वस्थ, सुरक्षित और सक्रिय नगर बनाने की दिशा में योगदान दे रहे हैं। साइकिल चलाना और दौड़ना न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हमें सशक्त बनाते हैं।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में स्वच्छतोत्सव के तहत वृक्षारोपण

नई दिल्ली (खबरों की दुनिया)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रहे स्वच्छतोत्सव पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव प्रो. आर. जी. मुरलीकृष्ण ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण की स्थापना का संदेश दिया। वृक्षारोपण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को उजागर करना तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता उत्पन्न करना। सभी ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व कुलसचिव एस. सुब्रमण्यम शर्मा, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा, प्रो.कुलदीप शर्मा, प्रो. लीना सक्करवाल, पुस्तकालयध्यक्ष डॉ पीएम गुप्ता डॉ. अमृता कौर तथा प्रभारी रोहतास सिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

महिला नीति व्याख्यान श्रृंखला में प्राकृतिक चिकित्सा एंव मोटे अनाज के लाभ और पर्यावरण जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन

खबरों की दुनिया

जयपुर। राज्य महिला नीति समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय में आयोजित होने वाली गतिविधियों के क्रम में प्राकृतिक चिकित्सा के साथ मोटे अनाज की आज के जीवन मे बढ़ती उपयोगीता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के संबंध में व्याख्यान आयोजित किये ।

महिला नीति की संयोजक डॉ. मधुलिका सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अल्का त्रिपाठी को आमंत्रित किया और महाविद्यालय मे कृषि और किसान मंत्रालय से पधारे डॉ राकेश कु. मीणा एंव साथियो का स्वागत किया कि उन्होंने अपना अमूल्य समय हमे दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मे संयोजक ने प्राकृतिक चिकित्सा, मोटे अनाज और पर्यावरण संरक्षण, उसकी आवश्यकता पर छात्राओं से चर्चा करते हुए बताया कि इन सभी का आज हम सभी के जीवन में क्या महत्व है ।

डॉ राकेश मीणा ने मिलेटस को भोजन मे शामिल कर इससे मिलने वाले पौष्टिक तत्वो के बारे मे जानकारी दी।मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए अल्का त्रिपाठी मैडम ने प्राकृतिक चिकित्सा के प्राचीन इतिहास , प्रमुख विधियों के बारे में, इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे मे जानकारी दी साथ ही मिलेटस की वर्तमान में भागदौड़ की जिंदगी में आवश्यकता और महत्ता पर प्रकाश डाला द्य इसके बाद उन्होंने छात्राओं को दैनिक जीवन में पर्यावरण के लिए जागरूक रहते हुए पर्यावरण संरक्षण कैसे करें और अपने छोटे छोटे प्रयासो से हम पर्यावरणीय प्रदूषण को कैसे कम कर सकते के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में महिला नीति संयोजक मधुलिका सिंह ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डॉ मीणा और प्राचार्य डॉ. अल्का त्रिपाठी का और सभी संकाय सदस्यो का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

एस्केड योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर । पशुपालन विभाग द्वारा भारत सरकार की असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कंट्रोल ऑफ एनिमल डिजीज (एस्केड) योजना के अंतर्गत राज्य रोग निदान केंद्र के तत्वावधान में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत पशु चिकित्सा अधिकारियों को फॉरेंसिक आस्पेक्ट ऑफ वेट्रो लीगल केसेज के पहलुओं के साथ साथ डीएनए फिंगर प्रिंटिंग के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। दो चरणों में संपन्न दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रदेश भर से कुल 185 पशु चिकित्सकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान तथा एस एम एस मेडिकल कॉलेज की भी सहभागिता रही।

एक छत के नीचे आमजन का हुआ समाधान

राजपुरवास ताला व बोबाड़ी ग्राम पंचायत में सेवा शिविर हुआ आयोजित

खबरों की दुनिया

ताला। पंचायत समिति जमवारामगढ़ की ग्राम पंचायत राजपुरवास ताला व बोबाड़ी में शुक्रवार को ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित हुआ। राजपुरवास ताला में शिविर की अध्यक्षता सरपंच शिव पाल मीणा और बोबाड़ी में सरपंच दीपिका चौधरी ने की। शिविर में स्वास्थ्य, राजस्व, कृषि, सामाजिक न्याय एवं पंचायती राज विभाग सहित 16 विभागों की विभिन्न योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिला। राजपुरवास ताला शिविर प्रभारी तहसीलदार रामधन बिश्नोई ने बताया कि कई समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया और पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व स्वीकृतियां वितरित की गई। इधर बोबाड़ी शिविर सह- प्रभारी नायब तहसीलदार अमित कुमार ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। विधायक महेंद्र पाल मीणा, उपखंड अधिकारी ललित मीणा और सहित अधिकारियों ने शिविर का निरीक्षण किया । विधायक मीणा ने पीएम किसान समान निधि,फार्म पोण्ड, तारबंदी, पाइपलाइन, सोलर ऊर्जा, सहित अन्य केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी । और किसानो को लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया ।इस दौरान भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा,सह-प्रभारी नायब तहसीलदार सुनीता जैफ, अतिरिक्त विकास अधिकारी रेवड़ मल मीणा,सहायक विकास अधिकारी ओम प्रकाश मीना, राजपुरवास ताला वीडीओ गौरी शंकर शर्मा, पूजा मीना,बोबाड़ी वीडीओ रामलाल गुर्जर,गुलाब चंद बीवल, कनिष्ठ सहायक रुखसाना कुरैशी, सीताराम बुनकर सहित ग्रामीण उपस्थित रहे ।

सहकारिता आंदोलन से बदल रहा है ग्रामीण जीवन

किसानों की मजबूती और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध : ओम बिरला

कोटा (खबरों की दुनिया)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कोटा में आयोजित गोपाल क्रेडिट कार्ड महा ऋण वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के आर्थिक-सामाजिक जीवन में बड़ा परिवर्तन ला रहा है और आज यह जनकल्याण की मजबूत आधारशिला बन चुका है। बिरला ने कहा कि सहकारिता आंदोलन केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम है। यह आवश्यक है कि हर गांव की महिला आत्मनिर्भर बने, हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले और हर बच्चा स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य पाए। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है और यही नया भारत है, जिसमें हजारों महिलाएं सहकारिता से जुड़कर स्वावलंबी बन रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकारिता सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत इस अवसर पर 1539 किसानों को 1047.37 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विश्व के 123 देशों में सहकारिता आंदोलन ने आर्थिक और सामाजिक जीवन को नई दिशा दी है। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में यह आंदोलन नई ऊँचाइयों पर पहुँचा है। इसी कारण केंद्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और गृह मंत्री अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी दी।

उन्होंने कहा कि पहले किसान सूदखोरों के कर्ज के बोझ से दबे रहते थे, लेकिन अब ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिल रहा है। यही बदलाव गांव-गांव तक नई उम्मीद पहुँचा रहा है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी—

बिरला ने कहा कि कोटा-बूंदी क्षेत्र में सहकारिता आंदोलन से हजारों महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। डेयरी क्षेत्र में 20 हजार से अधिक महिलाएं सक्रिय हैं और प्रतिदिन एक लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रहण हो रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में केवल दूध ही नहीं, बल्कि सब्जियों और अन्य उत्पादों को भी सहकारिता मॉडल से जोड़ा जाएगा। मदर डेयरी जैसे संस्थानों से जुड़कर यहां प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित होंगे, जिससे किसानों और महिलाओं को बेहतर मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि छोटे प्रयास भी बड़े आर्थिक मॉडल गढ़ सकते हैं, जैसा कि कई स्वयं सहायता समूह करोड़ों रुपये का कारोबार कर दिखा चुके हैं।

प्ररूप-10
(नियम 6 (7) देखिए)

कार्यालय नगर परिषद, सीकर

क्रमांक:-90-ए/2025-26 दिनांक :- यथा हस्ताक्षरित

संशोधित लोक सूचना:-

इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश राजकाज रेफरेन्स नम्बर 17838461 दिनांक 17.09.2025 में आवेदित भूखण्ड खसरा संख्या 1078/1074 एवं 1080/1076 का राजस्व ग्राम कुड़ली के स्थान पर समर्थपुरा पढ़ा जावे।

(प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त)
नगर परिषद, सीकर

दिव्यांगजन की आवाज: मुख्यधारा से जुड़ने की पुकार

सहानुभूति से परे, कानून, शिक्षा, रोज़गार, मीडिया और तकनीक के माध्यम से बराबरी व सम्मान की ओर

प्रियंका सौरभ

कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार

भारत में करोड़ों दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं। संवैधानिक अधिकारों और 2016 के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के बावजूद सामाजिक पूर्वाग्रह, ढांचागत बाधाएँ और मीडिया में विकृत छवि उनकी गरिमा को चोट पहुँचाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा है कि उनकी समानता और सम्मान से समझौता नहीं हो सकता। अब समय आ गया है कि समाज सहानुभूति से आगे बढ़कर दिव्यांगजन को अधिकार और अवसर दे। तकनीक, जागरूकता, कानून का सख्त क्रियान्वयन और सक्रिय भागीदारी ही समावेशी भारत की कुंजी हैं।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और समावेशिता मानी जाती है। संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, गरिमा और अवसर की गारंटी दी है। परन्तु जब हम समाज के उस वर्ग की ओर देखते हैं, जिन्हें दिव्यांगजन कहा जाता है, तो यह गारंटी अक्सर खोखली दिखाई देती है। देश की जनगणना और हालिया सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि करोड़ों दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, यातायात, मीडिया और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं। संवैधानिक प्रावधान और कानून मौजूद हैं, परन्तु जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति इस सच्चाई को बयान करती है कि वे अब भी अदृश्य नागरिकों की तरह जीवन जीने को विवश हैं।

समस्या केवल भौतिक अवरोधों की नहीं है, बल्कि मानसिकता और दृष्टिकोण की भी है। समाज का बड़ा हिस्सा अब भी दिव्यांगता को दया, बोझ या त्रासदी की दृष्टि से देखता है। यह सोच दिव्यांगजन की क्षमताओं और संभावनाओं को नकार देती है। उन्हें बराबरी का अवसर देने के बजाय या तो दया का पात्र बना दिया जाता है या हंसी का विषय। भारतीय सिनेमा और टेलीविज़न ने भी लंबे समय तक इन्हीं रूढ़ियों को दोहराया है। हालांकि अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, परन्तु यह बदलाव बहुत धीमा और सीमित है।

भारतीय न्यायपालिका ने कई बार दिव्यांगजन की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या हास्य के नाम पर किसी भी समुदाय की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में दिए गए फ़ैसलों में मीडिया और मनोरंजन उद्योग को चेताया गया कि वे दिव्यांगजन को मजाक या दया का पात्र न बनाएं, बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करें। इसके बावजूद समाज में गहरे जमे पूर्वाग्रह अब भी मौजूद हैं।

वास्तविक चुनौती केवल कानूनी संरक्षण से पूरी नहीं होती। समस्या यह है कि कानून और नीतियाँ लागू करने वाली संस्थाओं में पर्याप्त संवेदनशीलता और दृढ़ता का अभाव है। उदाहरण के लिए, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 ने शिक्षा, रोज़गार और सार्वजनिक जीवन में उनके लिए आरक्षण और सुविधाओं की गारंटी दी। परन्तु स्कूलों और कॉलेजों की इमारतें अब भी सीढ़ियों से भरी हैं, सरकारी दफ्तरों में व्हीलचेयर के लिए जगह नहीं है, और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अब भी दृष्टिबाधित या श्रवणबाधित लोगों के लिए आवश्यक विकल्प उपलब्ध नहीं कराए जाते।

दिव्यांगजन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें 'सक्षम नागरिक' के बजाय 'निर्भर नागरिक' मान लिया गया है। यह सोच उन्हें समाज की मुख्यधारा से दूर कर देती है। जबकि सच्चाई यह है कि अवसर और सुविधा मिलने पर दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता साबित कर सकते हैं। खेल जगत में पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इसका प्रमाण हैं। शिक्षा और साहित्य से लेकर प्रशासन और विज्ञान तक दिव्यांगजन ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। समस्या क्षमता की नहीं, बल्कि अवसर और दृष्टिकोण की है।

यदि समाज सचमुच समावेशी बनना चाहता है, तो सबसे पहले उसकी सोच बदलनी होगी। दिव्यांगजन को दया या सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है, उन्हें बराबरी के अधिकार और अवसर चाहिए। स्कूलों में बचपन से ही बच्चों को यह सिखाना होगा कि विविधता ही समाज की ताकत है। मीडिया और सिनेमा को जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे दिव्यांगता को केवल दुर्बलता के रूप में न दिखाएं, बल्कि उसे साहस, आत्मविश्वास और मानवीय गरिमा से जोड़कर पेश करें।

सार्वजनिक ढांचे को दिव्यांगजन की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। मेट्रो स्टेशन, रेलवे प्लेटफार्म, बस अड्डे, अस्पताल, सरकारी कार्यालय, पार्क और शैक्षणिक संस्थान तब तक समावेशी नहीं कहे जा सकते, जब तक वे हर व्यक्ति के लिए सुलभ न हों। तकनीकी प्रगति इस दिशा में बहुत मददगार हो सकती है। डिजिटल ऐप्स में वॉइस असिस्टेंट, स्क्रीन रीडर और सांकेतिक भाषा की सुविधाएँ जोड़कर हम लाखों दिव्यांगजन को ऑनलाइन शिक्षा और रोजगार से जोड़ सकते हैं।

समानता की इस लड़ाई में सरकार और समाज दोनों की साझी भूमिका है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिव्यांगजन के लिए बनाए गए कानून केवल कागज़ी दस्तावेज़ बनकर न रह जाएँ। उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र बने। स्थानीय निकायों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक निर्णय प्रक्रिया में दिव्यांगजन की भागीदारी हो। उनकी ज़रूरतों और सुझावों को सुने बिना कोई नीति या योजना पूरी नहीं हो सकती।

वहीं समाज की भूमिका और भी बड़ी है। हर व्यक्ति को अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दिव्यांगजन सम्मान और बराबरी के साथ जी सकें। सार्वजनिक कार्यक्रमों, चुनावी रैलियों और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी भागीदारी बढ़े। यह तभी संभव है जब हम उन्हें दया नहीं, अधिकार का दर्जा देंगे।

भारत का संविधान हमें बराबरी, गरिमा और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। यदि समाज का एक बड़ा हिस्सा इन अधिकारों से वंचित रहता है, तो लोकतंत्र अधूरा रह जाता है। दिव्यांगजन को हाशिए से मुख्यधारा में लाना केवल मानवता का कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की बुनियादी शर्त भी है। जब तक दिव्यांगजन की आवाज़ नीतियों और समाज दोनों में बराबर न सुनी जाएगी, तब तक समावेशी भारत का सपना अधूरा रहेगा।

इसलिए आज समय की सबसे बड़ी पुकार यही है कि दिव्यांगजन को अदृश्य नागरिक नहीं, बल्कि परिवर्तन और प्रगति के सक्रिय साझीदार माना जाए। उनकी क्षमताओं और सपनों को पहचान कर ही हम उस समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहाँ कोई पीछे न छूटे।

(ये लेखिका के अपने विचार है)

जीवन के परिष्करण का मार्ग धर्मग्रंथ: वेद उपनिषद ज्ञान और सन्मार्ग के बड़े स्त्रोत

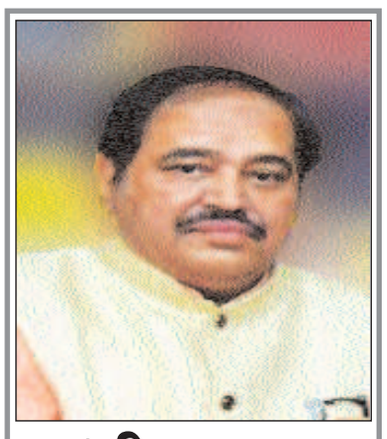

संजीव ठाकुर

लेखक व चिंतक

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति सनातन ग्रंथों और संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस आद्योपांत अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी।

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक शांति की खोज संदर्भ में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति, बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैद्य पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो।

जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो। इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान, दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता, तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन, मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है।

पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो, परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

कविता

मैं किनारे लहरों में डूबता उतरता रहा।

दर्द दिल का तस्वीर बन उभरता रहा,
दर्द बीमार की दवा बन संवरता रहा।
सफर बीच में छोड़ रुखसत हो गए,
रातों में बस जुगनु बन चमकता रहा।
तनकर खड़ा होता तोड़ दिया जाता,
लताओं सा सबके सामने झुकता रहा।
जमाने में न जाने कितने रंग बदले,
बिखरा नहीं जमाना तंज कसता रहा।
सारा शहर रोशन होता रहा रात भर,
घर मेरे दिन में भी अंधेरा डसता रहा।
चतुर लोग आज न जाने कहां पहुंचे,
मैं जिंदगी को हौले-हौले गढ़ता रहा।
लोग नदिया पार गए कश्ती के सहारे,
मैं किनारे लहरों में डूबता उतरता रहा।

महाशक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र

मोनिका डागा

कवयित्री(चैन्नई, तमिलनाडु)

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।

महाशक्ति राजराजेश्वरी माता दुर्गा भवानी की आराधना का शुभ कालीन अति उत्तम जन प्रचलित पर्व शारदीय नवरात्र है, जहां जगत जननी की उपासना भक्तजन श्रद्धा पूर्वक नौ दिन तक लगातार करते हैं, यह काल वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद ऋतु के आगमन का संधिकाल भी है जब जलवायु और मौसम में परिवर्तन होता है, अतः आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी शारदीय नवरात्रों का अपना विशेष महत्व है। संसार का हर प्राणी जब तक उसके शरीर में प्राण है शक्ति की चाह रखता है यह शक्ति तन, मन, धन, आध्यात्मिक, भौतिक, अभौतिक, नैसर्गिक, लौकिक, अलौकिक सुख-सुविधाओं से संबंधित हो सकती हैं। बिना शक्ति के हर जीव निष्प्राण है। इस शक्ति के उचित प्रयोग के लिए बुद्धि की आवश्यकता भी होती है। माता दुर्गा की साधना जीव को ज्ञान, शक्ति, धन-धान्य, वैभव, शांति और स्वास्थ्य से संपन्न कर भोग और मोक्ष प्रदान करती है। संसार में ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जो माता की कृपा से संभव न हो सके, भगवती अपने सच्चे भक्तों की हर प्रार्थना स्वीकार कर हर समस्या का समाधान करती है।

शारदीय नवरात्रे अश्वनी माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक मनाए जाते हैं। इन दिनों देवी दुर्गा के नौ रूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और माता सिद्धिदात्री की पूजा विधि विधान से सम्पन्न की जाती है, माता के यह नौ स्वरूप हमारे शरीर के भीतर स्थित नौ चक्रों का ऊर्जा केंद्र है, जहां हर एक दिन भगवती के एक विशेष रूप का ध्यान, चिंतन, मनन, अर्चन, पूजन, जप, तप किया जाता है, जिससे हमारी इच्छा शक्ति, बौद्धिक शक्ति, कार्मिक शक्ति, शुद्ध होती है और हमें अपने प्रारब्ध कर्मों से मुक्ति भी मिलती है। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर भक्तों पर अनन्य कृपा अमृत बरसाने आ रही है जिसका ज्योतिषीय संदर्भ में और भी शुभदायक फल स्तुति गान है, साथ ही साथ इस बार नवरात्रि के नौ दिनों में तृतीया तिथि की वृद्धि होने से सभी भक्तजन पूरे दस दिनों तक माता की आराधना कर सकते हैं यह अपने आप में अति विशेष महत्व रखता है। भारत के अलग-अलग प्रांतों में शारदीय नवरात्रों में दुर्गा पूजा की रौनक और छटा अद्भुत होती है, भजन, कीर्तन, जागरण, हवन इस तरह के कई धार्मिक अनुष्ठान घर-घर में श्रद्धा पूर्वक आयोजित किए जाते हैं।

अपने भीतर की आत्मिक शक्ति पुंज को प्रज्वलित करने का यह समय अति उत्तम है। साधना से जीवन में कई परिवर्तन होते हैं साथ ही साथ तन-मन का शुद्धिकरण भी होता है, देवी भगवती दुर्गा सच्ची उपासना से अति शीघ्र प्रसन्न होती हैं और अपने भक्त की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। कहते हैं ना यदि मन में 'आनंद' है तो बाहर का संसार भी आनंदकारी लगता है और वहीं अगर मन व्यथित हैं, चिंताग्रस्त है तो हर सुख व्यर्थ, अर्थहीन लगता है, कुछ भी अच्छा नहीं लगता है। जिस भक्त को माता की कृपा पर विश्वास है वह और भी अधिक श्रद्धा और गहरी भक्ति के साथ भगवती की साधना इन नौ दिनों में पूरे विधि-विधान के साथ करता है। भक्त की आस्था परिणाम नहीं भीतर के परिवर्तन का प्रत्यक्ष गुणगान करती हैं और यही असंभव को संभव बना चमत्कारी प्रभाव उत्पन्न करती हैं। नवरात्रि में माता रानी की श्रद्धापूर्वक आराधना कर हर प्रकार के दैहिक, दैविक, भौतिक कष्टों से मुक्ति प्राप्त की जा सकती हैं चाहे वो दुःख प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष।

यह कदापि जरूरी नहीं है कि आप दुर्गा सप्तशती का पूरा पाठ स्वयं करें क्योंकि यह हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, किंतु आप अपनी सामर्थ्य के अनुसार भगवती के नामों का संकीर्तन कर सकते हैं, आप कोई मातारानी के सरल मंत्र का शुद्ध भाव रख जप कर सकते हैं, नौ दिन व्रत उपवास करना संभव न हो तो आप सात्विक भोजन कर इन नौ दिनों में भगवती की आराधना कर सकते हैं। महामाई देवी दुर्गा बहुत दयालु है, माता की कृपा जिस पर होती है वह संसार का सबसे धनवान व्यक्ति है, माता अपने भक्तों की रक्षा करती हैं, उनके सभी अपराधों को क्षमा करती हैं और अनंत कृपा बरसती है। इस बार इन शारदीय नवरात्रों में आप धूमधाम से, प्रसन्नचित्त मन से, सच्ची श्रद्धा भक्ति भाव से, माता रानी की आराधना अवश्य कीजिए और माता से विशेष कृपा प्राप्त कर अपने जीवन को उलझनों से मुक्त कर सुखमय, समृद्धि सम्पन्न, स्नेह आनंद प्रेम से भरपूर आज और मंगलकारी भविष्य का निर्माण स्वयं कीजिए। आप सभी के जीवन में यह शारदीय नवरात्रे शुभता लेकर आएं इसी मंगलमय प्रार्थना के साथ आप सभी को मेरा प्रणाम और शारदीय नवरात्रों की ढेर सारी शुभकामनाएं। सभी का कल्याण करने वाली हे जगजननी जगदम्बा! आपको मेरा प्रणाम हैं, धन्यवाद हैं, मातारानी आप सभी का कल्याण करें, आपको सर्वस्व समर्पित, जय माता दी।

(ये लेखिका के अपने विचार है)

संत शिरोमणि बाबा मोहनदास महाराज का मनाया श्राद्ध दिवस

खबरों की दुनिया

सालासर। संत शिरोमणि बाबा मोहनदास महाराज का श्राद्ध दिवस शुक्रवार को मनाया गया। श्रीकांत पुजारी ने बताया कि बाबा मोहनदास जी महाराज कि भक्ती से प्रसन्न होकर बालाजी महाराज का सालासर आगमन हुआ था। बाबा मोहनदास का श्राद्ध दिवस एक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। त्रयोदशी के दिन आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से भक्तों का आना शुरु हो जाता है। बाबा मोहन दास महाराज के श्राद्ध दिवस पर प्रसाद के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं और प्रसाद पाकर निरोगी होने की कामना करते हैं। नागरमल पुजारी ने बताया कि श्राद्ध कार्यक्रम को लेकर एक दिन पहले ही प्रसाद बनाने का काम शुरू कर दिया जाता है। श्रीहनुमान सेवा समिति अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी ने बताया कि हलवा, सुसवा, खीर व पंचमेला की सब्जी का भोग लगाकर सभी को पंगत में खिलाया जाता है।

221 क्विंटल का प्रसाद बनाया गया। जिसमें करिबन 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को वितरण किया गया। बबलू पुजारी, सुरेश पुजारी, नितिन पुजारी, हेमराज पुजारी, कुलदीप पुजारी, मनोहर पुजारी, जीतेन्द्र पुजारी, निकेश पुजारी, संपत पुजारी, रामजी पुजारी, राहुल पुजारी, राजाराम पुजारी सहित समस्त पुजारी परिवार कार्यक्रम में हिस्सा लेकर काम करते है।

इसके अलावा पहले दिन रात्रि में बालाजी मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। जिसमें पुजारी परिवार द्वारा लावणी की प्रस्तुति दी जाती है। इसके अलावा संत आकाश नाथजी महाराज जागरण में भजनों की प्रस्तुति देते है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की पहले दिन दोनों पारियों की परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

खबरों की दुनिया

टोंक। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षा जिले में तीन दिन चलने वाली परीक्षा शुक्रवार से शुरू हुई, पहली पारी सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो दोपहर 12 बजे तक चली। पहली पारी की परीक्षा में टोंक जिले में 89.86 प्रतिशत परीक्षार्थी शामिल हुए। कुल नामांकन 11 हजार 40 अभ्यार्थियों में से 9 हजार 920 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। इस तह 1 हजार 120 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे। यानि कि 89.86 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। इधर पहली पारी की परीक्षा खत्म होते ही शहर के बाजार, बस स्टेण्ड आदि जगहों पर काफी भीड़ रही।

करीब आधा घंटा तक आवागमन बाधित रहा। हालांकि करीब 80 प्रतिशत परीक्षार्थी जिले के ही होने से रोड़वेज बस स्टेण्ड पर भीड़ नही हुई। इसी तरह दूसरी पारी 3 बजे से 5 बजे तक हुई, इसमें कुल 11 हजार 40 अभ्यार्थियो में से 9 हजार 899 शामिल हुये, जबकि 1 हजार 141 अनुपस्थित रहे, यानि 89.66 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में ज्यादातर परीक्षार्थी अपने नीजि वाहन बाइक आदि में आये थे।

टोंक में 28 केन्द्रों पर तीन दिन तक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती होगी। इनमें 9 राजकीय परीक्षा केन्द्र व 19 नीजि कॉलेज व स्कूलों में बनाये गये केन्द्र शामिल है।

रोजाना दो पारियों में परीक्षा होगी। इसमें 66 हजार 240 अभ्यार्थी के नामांकन है। परीक्षा के लिए पांच सकर्तता दलों के गठन के साथ ही 47 ऑब्जर्वर एवं 1 हजार 350 वीक्षक लगाये गये है। सरकारी परीक्षा केन्द्रों पर एक ऑब्जर्वर एवं नीजि परीक्षा केन्द्रों पर दो ऑब्जर्वर तैनात किये गये है। परीक्षा में परीक्षार्थी के लिए दो घंटे पूर्व एंट्री शुरू हुई, वही एक घण्टे पहले गेट बंद कर दिये गये।

महाराजा अग्रेसन जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

खबरों की दुनिया

निवाई। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में दिगम्बर जैन अग्रवाल मन्दिर में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्व सम्मति से 22 सितंबर को दो दिवसीय अग्रेसन जयंती महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। समिति के ताराचंद बोहरा व राकेशकुमार अग्रवाल ने बताया कि 22 सितंबर को दो दिवसीय अग्रेसन जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसका शुभारंभ 21 सितंबर को अग्रवाल धर्मशाला में प्रातः झंडारोहण करके किया जाएगा। इस दौरान रक्तदान शिविर, मण्डप उद्घघाटन व चित्र अनावरण सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैन नसिया मंदिर में महिला मंडल के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं महाराजा अग्रेसन की जीवनी पर नाटक का मंचन किया जाएगा। 22 सितंबर को अग्रवाल धर्मशाला से महाराजा अग्रसेन का भव्य जुलूस भव्य शोभायात्रा के साथ निकाला जाएगा। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई नसिया जैन मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में घोडा, बग्गी, बेंड बाजे, वाहन रैली, झाकिया, महिला बेंड वादन शामिल होंगे। बैठक में रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर पंछी फाउंडेशन को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में समिति के रवि अग्रवाल, महावीरप्रसाद पराणा, दिनेश मंगल, चेतन जैन, देवेंद्रकुमार जैन, मोहनलाल अग्रवाल, चेतनकुमार जैन, जिनेशकुमार मोटूका, महेशकुमार मोटूका, दिनेशकुमार गिन्दोडी, दिनेशकुमार मंगल, दिनेशकुमार बोरदा, महावीरप्रसाद जैन, विमलकुमार बगड़ी, विरेन्द्रकुमार जैन, दीपक पराना व अशोककुमार चंवरिया सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

खबरों की दुनिया

एक नजर

कांग्रेस के एससी विभाग ने पूर्व वित्त आयोग अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह का मनाया जन्मदिन

खबरों की दुनिया

धौलपुर । राजाखेड़ा के पूर्व विधायक राजस्थान के पूर्व वित्त मंत्री एवं पूर्व वित्त आयोग अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह (कप्तान बाबू) का जन्मदिन स्ट विभाग जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सिटी जुबली हॉल के पास इंदिरा रसोई में राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा ने पूजा अर्चना कर कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जिला अध्यक्ष दर्शन लाल जाटव ने समस्त कार्यकर्ताओं के साथ भगवान बौद्ध से बाबू जी की स्वस्थ, दीर्घायु की प्रार्थना की। जिला अध्यक्ष दर्शन लाल जाटव एवं उपाध्यक्ष शिव सिंह भास्कर ने सुबह का भोजन जरूरतमंदों को कराया। जाटव ने कहा बाबूजी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं पर बना रहे। जन्मदिवस के अवसर पर राजाखेड़ा प्रधान राजकुमार तोमर, धनेश जैन जिला प्रवक्ता, रविंद्र कुमार मौर्य प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस, जगदीश प्रसाद त्यागी, सुरेंद्र सिंह ब्लॉक अध्यक्ष धौलपुर शिव सिंह जाटव जिला उपाध्यक्ष बनवारी लाल शहर अध्यक्ष भगवत सिंह जयपाल सिंह जिला सचिव युवा कांग्रेस सुमन देवी बहुरन सिंह सोनवीर केके यादव गोविन्द शर्मा गिर्राज सिंह जाटव कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को लेकर शहर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

खबरों की दुनिया

धौलपुर। वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर ब्लॉक की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि विधानसभा प्रभारी हुकुम मीणा रहे जबकि विशिष्ठ अतिथि धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा, पूर्व सभापति कमल कंसाना, पूर्व प्रधान देवेंद्र प्रताप सिंह जादौन, दिनेश दिनकर, महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष लीना शर्मा, सेवादल अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित, महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती शिवहरे, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सीकर-नीमकाथाना प्रभारी सुलेमान फारूकी तथा भरतपुर प्रभारी सैफ लोदी रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना करते हुए जनता के जनादेश का अपमान किया है। कांग्रेस कार्यकर्ता इस अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं और वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जनता की आवाज को बुलंद किया जाएगा।

इस मौके पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष उमर फारूक उस्मानी, कांग्रेस कमेटी धौलपुर के जिला महासचिव शहजाद जलमानी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग स्रू भरतपुर संभाग अध्यक्ष आजाद मिर्जा, मंडल अध्यक्ष बनवारी लाल जाटव, फिरोज खान, पार्षद सद्दाम खान, अमिल खान, लोकेंद्र कंडेरा, राजू पहाड़िया, बिक्की, जाकिर खान सहित सभी मण्डल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, ब्लॉक शहर एवं ग्रामीण कार्यकारणी पदाधिकारी सहित सभी कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

खबरों की दुनिया

धौलपुर । 220 केवी जीएसएस धौलपुर पर 132 केवी धौलपुर-रीको लाइन का मरम्मत व रखरखाव का कार्य होने के कारण 21 सितंबर को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियन्ता 220 केवी जीएसएस धौलपुर संध्या चौहान ने बताया कि 132 केवी जीएसएस रीको के 33 केवी कौलारी, रीको एरिया, 132 केवी जीएसएस मनिया के 33 केवी बगचोली, मनिया, धनसा, 132 केवी जीएसएस मरैना के 33 केवी मढ़ाभाऊ, मरैना, जसूपुरा, जाटौली तथा 132 केवी जीएसएस राजाखेड़ा के 33 केवी नदोरा, नागर, राजाखेड़ा एवं मरैना की 21 सितम्बर को प्रातः 7.30 बजे से 10.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

ग्रामीण सेवा शिविर में सीएमएचओ डॉ. मीणा ने लिया चिकित्सा सुविधाओं का जायजा

खबरों की दुनिया

धौलपुर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने शुक्रवार को बाड़ी के ग्राम पंचायत खानपुर और मतसूरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। उन्होंने चिकित्सा विभाग की ओर से लगाए गए स्वास्थ्य शिविर, दवा वितरण व्यवस्था, हीमोग्लोबिन, मधुमेह रक्तचाप जांच और रोगी पंजीयन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आमजन को और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। लाभार्थियों से भी बातचीत कर यह सुनिश्चित किया कि उन्हें योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग करने के भी निर्देश दिए। ताकि टीबी रोगियों को पूर्ण स्वस्थ किया जा सके। शिविर में उन्होंने टीबी रोगियों को निक्षय किट भी प्रदान की। उन्होंने रोगी को नियमित उपचार कराने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं द्वारा दी जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उनसे जानकारी ली।

बसेड़ी में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान प्रारंभ

खबरों की दुनिया

बसेड़ी । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की निर्देशानुसार विधानसभा बसेड़ी में प्रारंभ किया वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने की।

मुख्य अतिथि बसेड़ी विधायक संजय कुमार रहे जबकि विशिष्ट अतिथि विधानसभा सभा प्रभारी प्रशांत कुमार उपाध्याय रहे। प्रभारी प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि यह अभियान 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक विधानसभा के सभी बूथ स्तर तक चलाया जाएगा द्य उन्होंने कार्यकर्ताओं से आमजन को इस अभियान से जोड़ने और सफल बनाने की अपील की द्य उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा दिया गया वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा राजस्थान के आम व्यक्ति तक जागरूकता फैलाने का मुख्य आधार होगा ।

विधायक संजय कुमार ने कहा कि जनता अब वोट चोरी की सच्चाई से अवगत है और इसे बूथ स्तर तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। बोहरा ने वोट चोरी की विस्तृत जानकारी देते हुए सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। महिला जिला अध्यक्ष रोशनी शिवहरे ने कहा कि ये सरकार वोट चोरी से बनी है। बैठक में हस्ताक्षर अभियान के बसेड़ी विधानसभा प्रभारी बोहरे योगेश शर्मा, बसेड़ी विधानसभा प्रभारी राजवीर सिंह मीणा, सेवादल महिला जिला अध्यक्ष विनेश, ब्लॉक अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, ब्लॉक प्रवक्ता रामबली शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओमवास शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश पाराशर, बसेड़ी प्रधान अमित सिंह, प्रधान प्रतिनिधि शंकर सिंह, श्यामवीर सिंह, रामेश्वर सिंह, गजेंद्र गुर्जर, पूर्व एसडीएम बिजेंद्र सिंह, प्रशांत सिंह, जितेंद्र सिकरवार सहित सभी पूर्व प्रत्याशी, मंडलों के अध्यक्ष, कांग्रेस अग्रिम संगठनों के ब्लॉक और बूथ स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

दो साल से बंद पेंशन हुई बहाल, ग्रामीण सेवा शिविर मंजू वर्मा के लिए बना वरदान

धौलपुर(खबरों की दुनिया) । राजस्थान सरकार की पहल पर आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने आमजन को उनके द्वार पर ही बड़ी राहत पहुंचाने का काम किया है। पंचायत समिति सैंपऊ की ग्राम पंचायत पिपहेरा में आयोजित शिविर में एक महिला की रुकी हुई पेंशन को तुरंत बहाल कर दिया गया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। लाभार्थी मंजू वर्मा पत्नी मुंशीलाल ने बताया कि तकनीकी कारणों से उनकी पेंशन पिछले दो साल से बंद थी। इस कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शिविर में उन्होंने अपनी समस्या रखी, जिसके बाद पंचायती राज और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रतिनिधियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों ने राजएसएसपी पोर्टल के माध्यम से तकनीकी समस्या का समाधान किया और उनकी पेंशन को पुनः प्रारंभ कर दिया। मंजू वर्मा को यह भी बताया गया कि जल्द ही उनकी बकाया पेंशन राशि का भुगतान भी कर दिया जाएगा। अपनी समस्या का हाथों-हाथ समाधान पाकर मंजू वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे शिविर जरूरतमंदों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं

तीन भाईयों के विरासत का नामांतरण हुआ दर्ज

खबरों की दुनिया

धौलपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बसई सामन्ता के अटल सेवा केन्द्र पर सेवा पर्व पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. साधना शर्मा उपखण्ड अधिकारी धौलपुर के समक्ष सुग्रीव, कप्तान, नरेश वगैरा पुत्र स्व. श्री देवाराम ने उपस्थित होकर विरासत के नामांतरण दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना पत्र दिया एवं शिविर प्रभारी डॉ. साधना शर्मा को बताया कि हमारे पिताजी देवाराम का निधन 19 जनवरी 2010 को हो चुका है। लेकिन पिछले 15 वर्षा से हमारा विरासत का नामान्तरण नहीं खुला है। षिविर प्रभारी ने मौके पर पटवारी व गिरदावर को विरासत की जॉच कर ग्राम भिलगवां के खसरा नम्बर 117, 118 मे विरासत दर्ज कर परिवादी को राहत दिलाई गई।

नामांतरण के पूरा होते ही किसानों ने राहत की सांस ली, क्योंकि अब वे अपनी भूमि से जुड़ी सभी योजनाओं, मसलन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और कृषि ऋण जैसी सुविधाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में मौजूद किसानों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

राधाकृष्णन शिक्षक संघ के राजाखेड़ा में परमानन्द अध्यक्ष और चन्द्रभान मीना बने ब्लॉक मंत्री

खबरों की दुनिया

धौलपुर । राजाखेड़ा ब्लॉक के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय - राजाखेड़ा में राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक एवं सभाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह राना पूर्व सीबीईओ, रामनरेश प्रधानाचार्य, चन्दन सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिफूल व्याख्याता, हेमन्त कुमार पाराशर एवं संघ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश लोधा के नेतृत्व में परमानन्द को ब्लॉक अध्यक्ष, चन्द्र मान मीना को ब्लॉक मंत्री एवं नरेशकुमार सैनी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, प्रीति सिंह बनाये गये। हसन सादात अध्यापक, रफीक खान, रेखा मीणा, विजय कुमारी, गुंजन माथुर, जितेन्द्र त्यागी आदि को सदस्य बनाया गया है। हरिफूल व्याख्याता एवं संघ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश लोधा ने रीति नीति से सबको अवगत कराया। इस अवसर पर राधाकृष्णन शिक्षक संघ के संरक्षक योगेन्द्र सिंह राना पूर्व सीबीईओ, प्रधानाचार्य रामनरेश, लक्ष्मी शर्मा, हेमन्त कुमार पाराशर, जसवंतसिंह, रेखा मीणा, रफीक खान, विजय कुमारी, गुंजन माथुर, जितेंद्र त्यागी आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में मौके पर ही हुआ विभाजन

खबरों की दुनिया

धौलपुर । ग्राम पंचायत पुरानी छावनी में राजकीय उच्च माध्यमिक महात्मा गांधी विद्यालय पर सेवा पर्व पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया गया। कैंप शिविर में एक परिवार ने खाता विभाजन हेतु आवेदन कैंप प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत किया। कैंप प्रभारी द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हए राजस्व विभाग के कर्मचारियों पटवारी व गिरदावर को उक्त प्रकरण की जांच कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। प्रार्थीगण के खाता संख्या 232, 632, 490, पर क्रमशः किता 01, 06, 02 में प्रार्थी गणों की समझाइश कर लगभग 20 वर्ष से चले आ रहे विवाद को सुलझा कर समस्त खातेदारों की सहमति अनुसार मौके पर ही विभाजन प्रस्ताव तैयार किये गये एवं तहसीलदार धौलपुर द्वारा विभाजन स्वीकृत किया गया। पुरे परिवारजन ने सम्पूर्ण जिला प्रशासन और राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। ग्रामीण सेवा शिविर ग्रामीणों को पारदर्शी और त्वरित समाधान देकर न सिर्फ कानूनी उलझनों से मुक्ति दिला रहे हैं।

खड़े डंपर में कंटेनर ने मारी टक्कर, एक की मौत

खबरों की दुनिया

धौलपुर । मध्यप्रदेश की सीमा पर सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी। जिससे कंटेनर का चालक केबिन में बुरी तरह गाड़ी में फंस गया। बड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। हादसे में कंटेनर में सवार ड्राइवर को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में धौलपुर बॉर्डर पर भानपुर गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक डंपर में पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कंटेनर का ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया। इसके बाद स्थानीय लोगों और ट्रक ड्राइवर की मदद से कंटेनर में फंसे ड्राइवर को निकाला। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल धौलपुर में ले जाया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान घायल कंटेनर ड्राइवर ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई हैं।

समर्थ धौलपुर अभियान के तहत कौलारी सैंपऊ में शिविर का आयोजन आज

खबरों की दुनिया

धौलपुर । जिले में जिला नवाचार के रूप में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के द्वारा समर्थ धौलपुर अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में 13 शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण हेतु चिन्हीकरण किया जायेगा। 20 सितम्बर को अटल सेवा केन्द्र कौलारी सैपऊ में प्रातः 10 बजे से सायं 5.30 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, पेंशन पीपीओ या 1.80 लाख से कम का वार्षिक आय प्रमाण पत्र। वरिष्ठ नागरिकों को दिये जाने वाले यंत्र कान की मशीन, स्टिक, कमर की बेल्ट, घुटने की बेल्ट, सर्वाइकल कौलर, वॉकर, ट्राइपॉड, वॉकिंग स्टिक आदि के लिए चिन्हीकरण किया जायेगा। दिव्यांगजनों हेतु आवश्यक दस्तावेज दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, पेंशन पीपीओ, फोटो। दिव्यांगजन को दिये जाने वाले यंत्र मोटराईज्ड ट्राई-साइकिल, व्हीलचेयर, कैलिपर, बैशाखी, वॉकर, ट्राईपोड़, श्रवण यंत्र आदि हेतु चिन्हीकरण किया जायेगा।

उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने एवं वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए कृषि पर्यवेक्षकों की लगाई ड्यूटी

खबरों की दुनिया

धौलपुर । जिले में उर्वरक की कालाबाजारी रोकने व खाद आपूर्ति एवं वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए कृषि पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि जिले के 400 खुदरा विक्रेताओं के यहां यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी आदि उर्वरकों को निर्धारित दर पर अपनी निगरानी में विक्रय करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि पॉस मशीन, स्टॉक रजिस्टर व भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरक का मिलान करें व स्टॉक को प्रतिदिन शाम को बंद करें। साथ ही आदान विक्रेता परिसर पर मूल्य सूची व स्टॉक प्रतिदिन प्रदर्शित करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि अपने क्षेत्र विशेष में ध्यान रखें कि किसी भी तरह की अनाधिकृत रूप से आने वाले उर्वरकों का विक्रय नहीं हो। यदि कोई ऐसा करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक को तत्काल सूचित करें। जिससे संबधित के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लायी जा सके। यदि कालाबाजारी होती है तो संबंधित कृषि पर्यवेक्षक जिम्मेदार होगा।

उर्वरकों के अवैध आगमन एवं परिगमन के लिए नियुक्त किए कार्मिक

रबी 2025 की बुवाई हेतु जिले में उर्वरकों के अवैध आगमन एवं परिगमन की रोकथाम के लिए पुलिस चेक पोस्ट पर कृषि पर्यवेक्षकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सागरपाडा पुलिस चौकी चैकपोस्ट, एबी रोड धौलपुर पर कृषि पर्यवेक्षक सुशील कुमार शर्मा की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, धर्मेन्द्र कुमार त्यागी की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं मंजीत खा की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक, बरैठा पुलिस चौकी चैकपोस्ट, एबी रोड़, धौलपुर पर कृषि पर्यवेक्षक किशनलाल की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, आशीष कुमार की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, शुभम शर्मा की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक, बसई नबाव पुलिस चौकी चैकपोस्ट पर कृषि पर्यवेक्षक शंभूदयाल की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, यादवेन्द्र त्यागी की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, भानूप्रताप की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक, कैथरी चैकपोस्ट सैपऊ टोल प्लाजा पर कृषि पर्यवेक्षक दीपेन्द्र शर्मा की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दिनेश कुमार शर्मा की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, भोलू परमार की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक, पुलिस चौकी जारगा चैकपोस्ट बसेडी पर कृषि पर्यवेक्षक हेतराम मीणा की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, उमेश मीणा की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, रामरेश मीणा की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक तथा पुलिस चौकी चैकपोस्ट राजाखेडा पर कृषि पर्यवेक्षक नाहर सिंह की प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दुष्यंत सिंह की दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, रोहित कुमार जायसवाल की रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ड्यटी लगाई जाती है।

फसल कटाई के उपरांत खेतों में सुखाई के लिए रखी फसलों में नुकसान होने पर मिलेगा मुआवजा

धौलपुर । प्राकृतिक कारणों असामयिक वर्षा से जलभराव, चक्रवाती वर्षा, ओलावृष्टि आदि से फसल खराबा होने की स्थिति में जो कृषक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमित है, उन्हें विभागीय दिशा-निर्देशानुसार उनकी फसल का बीमा क्लेम देय होता है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार जिला परिषद सरदार मल यादव ने बताया कि फसल खराबा यदि फसल कटाई के 14 दिन के अन्दर होता है तो उसका बीमा क्लेम व्यक्तिगत आधार पर देय होगा। जिसकी सूचना 72 घंटे के अन्दर सीधे भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नम्बर 14447 पर अथवा लिखित में अपने बैंक, कृषि विभाग के अधिकारियों, जिला पदाधिकारियों को सूचना देना आवश्यक है। इसके अलावा भी प्रभावित किसान, नजदीकी कृषि कार्यालय अथवा सम्बन्धित बैंक को भी निर्धारित समय के भीतर हानि प्रपत्र भरकर सूचना दे सकते है। सूचना के उपरांत बीमा कम्पनी द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से कृषक की फसल का व्यक्तिगत सर्वे किया जाता है तथा नियमानुसार क्लेम दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कृषि विभाग के समस्त फील्ड स्टाफ एवं बीमा कम्पनी को तत्काल प्रभाव से प्राप्त प्रतिवेदनों का सर्वे कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिले में मौसम खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए बाजरा एवं तिल की फसल, बीमित फसल की श्रेणी में रखी गई है। फसल बीमा योजना के तहत जिन कृषकों ने बैंकों से किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत ले रखा है तथा नियमित खाता है तो उनका बीमा बैंक द्वारा स्वतः ही किया जाता है। उन्होंने बताया कि अधिसूचित फसल बाजरा के लिए कृषक से 1072.74 रुपए प्रति हैक्टेयर तथा तिल के लिए 922.96 रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से प्रीमियम राशि बैंक द्वारा जमा की जाती है। बाजरा की फसल के लिए बीमित राशि 53637 रुपए प्रति हैक्टेयर तथा तिल की फसल के लिए बीमित राशि 46148 रुपए प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है।

खबरों की दुनिया

एक नजर

गौ शाला मे बैठक आयोजित चिंता जताई

खबरों की दुनिया

रावतभाटा । भैंस रोड गढ़ मार्ग स्थित गौशाला में शुक्रवार को गौ शाला संचालन को लेकर बैठक आयोजित हुई । बैठक की अध्यक्षता गौ रक्षा फोर्स कमांडो अध्यक्ष प्रहलाद जाट ने की, बैठक में गौ शाला अध्यक्ष देवकीनंदन शर्मा ने एक माह का गोशाला का लेखा जोखा प्रस्तुत किया । जिस पर बैठक मे मौजूद सदस्यों ने चिंता जाहिर की, उन्होंने बताया कि पूरे माह में 1035 किलो दलिया,50 किलो गुड़,25 लीटर तेल सहित 1000 रु दान आया । वही पूरे माह का खर्च 19800 रु हुआ, जिस पर चिंता जाहिर कर शहर के लोगों से गोशाला में बढ़चढ़ कर दान करने की अपील की । बैठक मे बाल किशन गुलाटी, सिद्धार्थ सिंह पंवार जगपुरा, संदीप नायक, रामा चारण, मोहित, निखिल, कृष्णा सोनी सहित लोग मौजूद रहे ।

भिवाड़ी में जलभराव निस्तारण को लेकर केंद्रीय मंत्री ने की उद्योगपतियों से व्यापक चर्चा

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री द्वारा केंद्रीय उच्च स्तरीय बैठकों के पश्चात भिवाड़ी में ली विभिन्न विभागों एवं उद्योगपतियों की बैठक

खबरों की दुनिया

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को रिको गेस्ट हाउस सभागार, भिवाड़ी में उद्योगपतियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भिवाड़ी जलभराव की समस्या के निस्तारण को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

इस दौरान मंत्री ने उद्योगपतियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग करते हुए अपशिष्ट जल प्रबंधन एवं उपचार की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। इससे पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने केंद्र एवं राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय बैठक भी ली, जिसमें भिवाड़ी जलभराव समाधान के संबंध में व्यापक चर्चा की गई।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने औद्योगिक क्षेत्रों में

अपशिष्ट जल प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक में सीईटीपी (सेंट्रल इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के उत्पादन के अनुरूप एफ्लूएंट जल की सघन मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी परिस्थिति में उपचारित किए बिना अपशिष्ट जल को खुली नालियों में नहीं छोड़ा जाए। उन्होंने उद्योगपतियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए सीईटीपी के माध्यम से ही जल का शोधन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में विशेषज्ञों ने भिवाड़ी जलभराव की समस्या के निस्तारण हेतु प्रस्तावित डीपीआर पर विस्तार से जानकारी दी। इसमें भिवाड़ी क्षेत्र के घरेलू जल, औद्योगिक अपशिष्ट जल और वर्षा जल का पृथक्करण कर उपचारित जल को औद्योगिक इकाइयों को पुनः उपयोग हेतु उपलब्ध कराने का प्रस्ताव शामिल है।

उन्होंने बताया कि औद्योगिक इकाइयों के दूषित जल उपचार हेतु 6 एमएलडी क्षमता की सीईटीपी पहले से स्थापित है, जबकि 34 एमएलडी क्षमता का एसटीपी निर्माणाधीन है।

इसे एडिशनल और टर्शरी ट्रीटमेंट तकनीक से आधुनिक बनाकर औद्योगिक इकाइयों के पैरामीटर के आधार पर पानी उपलब्ध कराया जाएगा, जिसका उपयोग औद्योगिक इकाइयों में पुनः किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने औद्योगिक इकाइयों को अपने जल उपयोग के पैरामीटर साझा करने के निर्देश दिए ताकि एसटीपी को अपग्रेड कर गुणवत्ता के अनुरूप पानी सप्लाई किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि भिवाड़ी एवं चौपानकी औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 10.2 एमएलडी पानी का उपयोग हो रहा है।

आगामी योजना के तहत एसटीपी से उपचारित जल को औद्योगिक इकाइयों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ शेष जल को कृत्रिम झील और सारेखुर्द बांध तक पहुँचाया जाएगा।

बैठक के दौरान नागपुर, चंद्रपुर, भुसावल, नासिक और बेंगलुरु जैसे शहरों में वर्षों से सफलतापूर्वक लागू किए जा रहे ऐसे प्रोजेक्ट्स का भी उल्लेख किया गया, जहाँ उपचारित जल का औद्योगिक उपयोग हो रहा है।

बैठक में तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने चौपानकी, खुशखेड़ा एवं कहरानी औद्योगिक क्षेत्रों में एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) के गठन तथा सीईटीपी (सेंट्रल इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) के निर्माण कार्य कि दिशा में तेजी लाने पर जोर दिया। इस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों एवं उद्योगपतियों को निर्देश दिए कि वे शीघ्र एसपीवी का गठन कर सीईटीपी की प्रक्रिया को त्वरित गति से आगे बढ़ाएं, ताकि अपशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। बैठक के दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला कलेक्टर किशोर कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल प्रकाश, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, वॉटर रिसोर्सेस डिपार्मेंट, ग्राउंडवाटर विभाग के अधिकारियों सहित विभिन्न औद्योगिक इकाई संगठन के पदाधिकारी एवं उद्योगपति मौजूद रहे।

उदयपुर मे हाईकोर्ट खंडपीठ स्थापना की मांग, न्यायिक कार्यों का किया बहिष्कार

खबरों की दुनिया

रावतभाटा । अभिभाषक संघ उदयपुर के आह्वान पर शुक्रवार को अभिभाषक संघ के सदस्यों ने न्यायालय परिसर मे नारेबाजी कर उदयपुर मे हाईकोर्ट खंडपीठ स्थापना करने की मांग की । इस दौरान सभी अधिवक्ताओं ने स्वैच्छिक उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई और न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया । इस दौरान अध्यक्ष मदन पाल, मुख्य संरक्षक एच एन शर्मा, उपाध्यक्ष लाल चंद जायसवाल , कोषाध्यक्ष लाल चंद प्रजापत, अर्जुन सिंह, अनिल शर्मा, रईस अहमद मंसूरी, बलवीर सिंह, पराग त्रिपाठी, जान मोहम्मद, राहुल जैन, विजय अटवाल, विशाल सिंह, नरेंद्र सिंह, पुखराज सिंह रावत, मयंक देराश्री, शिवम बिलू, टाइपिस्ट बंशी लाल, शुभम राठौर, प्रदीप सिंह सहित सदस्य मौजूद रहे ।

टुंडपुरा में 2 अक्टूबर को संत समागम और भंडारा

धार्मिक कार्यक्रम का 22 से शुभारंभ

खबरों की दुनिया

भुसावर। श्री गुरु माया भक्त मंडल व सिद्ध पुरुष रंगली भगत महाराज के शिष्यों की ओर से राष्ट्रीय संत महात्यागी बालक दास महाराज के सानिध्य में गांव टुंडपुरा स्थित श्री गुरुमाया आश्रम पर 81वा संत मिलन एव 162 वा भंडारे का 22सितंबर से शुभारंभ होगा,जो 2 अक्टूबर को भंडारे,संत दर्शन, कीर्तन,हवन के साथ समापन होगा।कार्यक्रम की सफलता के लिए तैयारी में सन्त साधु बाबा,परसराम भगत, पंडा बाबा को व्यवस्था एवं कमेटी का संयोजक बनाया गया है। साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा तय करके सनातन धर्म प्रेमी,संत समाज को निमंत्रण देना शुरू कर दिया गया, ये कार्यक्रम वर्ष1956 से प्रतिवर्ष जारी है।वर्ष में दो बार बड़े भंडारे एवं माह की प्रत्येक पूर्णमासी को छोटे भंडारे आयोजित किए जाते हैं। आश्रम के सेवादारों ने बताया की गुरु माया आश्रम टुंडपुरा पर 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 11 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होगा और 22 को अखंड रामायण पाठ,श्रीराम यज्ञ, कीर्तन

प्रवचन का शुभारंभ होगा और 1 अक्टूबर से संत समागम प्रवचन होंगे, जबकि 2 अक्टूबर को संत प्रवचन, संत दर्शन, यज्ञ की पूर्णाहुति, संत विदाई विशाल भंडारा का आयोजन होगा। इसमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश , गुजरात, महाराष्ट्र,उड़ीसा, उत्तराखंड ,मध्य प्रदेश ,हरियाणा, दिल्ली, पंजाब , हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों के धार्मिक स्थलों के संत समाज को आमंत्रित किया गया है और साथ ही आश्रम के निकटवर्ती 30 गांव के लोगों को निमंत्रण देकर इसमें भाग लेने का आग्रह किया हैं।

जन्मदिन पर निशुल्क जांच शिविर आयोजित कर फॉगिंग करवाई

खबरों की दुनिया

रावतभाटा । अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज युवा के राष्ट्रीय सचिव चेतन सिंह सांखला के जन्मदिवस पर सेवा कार्य किए गए। सेवार्थ पैथोलॉजी लैब पर निशुल्क जांच शिविर आयोजित हुआ ,जहां 70 लोगों ने मलेरिया सीबीसी की जांच करवाई । वही गणेश नगर बालाजी नगर में घर-घर मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए फागिंग करवाई गई ।

वहीं क्षेत्रीय विधायक डॉ सुरेश धाकड़ ने सांखला का मुंह मीठा करवाया । इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा प्रधान प्रतिनिधि कुशाल बारेशा राजकुमार वधवा चंद्र सिंह भाटी बालकिशन गुलाटी प्रहलाद जाट गोविंद गुप्ता महावीर प्रसाद चौधरी महेंद्र चौधरी विवेक तिवारी मनोज लाड़ दिलीप मीणा सहित लोग मौजूद रहे ।

शहरी सेवा शिविर का एडीएम ने किया निरीक्षण

प्राप्त परिवारों का निस्तारण करने के दिए निर्देश

खबरों की दुनिया

रावतभाटा । नगर पालिका कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित शहरी सेवा शिविर का शुक्रवार को एडीएम विनोद कुमार मल्होत्रा ने निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने शिविर में प्राप्त होने वाले परिवादो का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बनाई गई रूपरेखा अनुसार प्रतिदिन सड़क, नाले-नालियों सीवरेज, फोगिंग आदि कार्य किए जाएं,ताकि स्वच्छ वातावरण व मौसमी बीमारी को कम किया जा सके। बन्द पड़ी रोड़ लाईटो को समय पर ठीक करने एवं आवश्यकता अनुसार नई रोड़ लाईट लगाने का तकमीना तैयार किया। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजना जिसमें प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक आवेदन कर योजना का लाभ लेने की बात कही । शहर की वर्षो पुरानी पट्टो की समस्या के बारे में नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी से 69 ए के तहत पट्टे देने पर चर्चा की गई । शिविर में उपस्थित सभी विभाग विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर, ढ़ीले तार को ठीक करने, जलदाय विभाग को हेण्डपम्प, पाईप लाईन, लिकेज लाईन आदि को जल्द दुरस्त करवाने के निर्देश दिए ।

भाजपा ने आगामी कार्यक्रमों के संयोजक सहसंयोजक नियुक्त किए

रावतभाटा (खबरों की दुनिया)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी दिनों मे किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए शुक्रवार को संयोजक सह संयोजको की नियुक्ति की, नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा ने बताया कि सभी आयोजनों को सफल बनाने के लिए जिला अध्यक्ष रतन गाडरी, सांसद सीपी जोशी, विधायक डॉ सुरेश धाकड़, की सहमति से घोषणा की गई । जिसमें सांसद खेल महाकुंभ के लिए संयोजक विजय गुप्ता सहसंयोजक रेखा लोधा, इरफान को नियुक्त किया । जीएसटी अभियान के लिए संयोजक सिकंदर सैनी, सहसंयोजक अविनाश मित्तल, आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए संयोजक प्रहलाद जाट, सहसंयोजक महेश शर्मा, राजू चौधरी को नियुक्त किया गया ।

खिदमत सोसायटी का 'आई लव मोहम्मद' तख्ती के साथ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

खबरों की दुनिया

चित्तौड़गढ़ । शहर में शुक्रवार को ख़िदमत सोसायटी की ओर से एक शांतिपूर्ण सांकेतिक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम गोल प्याऊ चौराहा, क़ाज़ी पिया दरगाह के बाहर हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने शिरकत की। प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में 'आई लव मोहम्मद' लिखी तख्तियाँ लेकर शांति और संयम के साथ विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद से मोहब्बत का इज़हार करना हर मुसलमान के ईमान का हिस्सा है, और इसे अपराध के रूप में देखना सरासर अनुचित है।

विरोध कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' बैनर लगाने पर 25 नौजवानों पर मुकदमा दर्ज किए जाने का किया गया । कार्रवाई को समाज के लोगों ने न केवल नाइंसाफी बताया, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल भी खड़े किए। खिदमत सोसायटी अध्यक्ष कौसर रब्बानी खान ने कहा कि हमारा यह आंदोलन सिर्फ और सिर्फ मोहब्बत, इज़हार-ए-अक़ीदत और इंसाफ़ की मांग का प्रतीक है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि दर्ज किए गए मुकदमों को वापस लिया जाए और निर्दोष नौजवानों को राहत प्रदान की जाए। प्रदर्शन के अंत में आयोजकों ने सभी से अमन चैन, भाईचारा और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

अग्रसेन जयन्ती महोत्सव

प्रथम दिवस- अग्रसेन जीवनी पर हुई निबंध प्रतियोगिता

खबरों की दुनिया

भुसावर । स्थानीय अग्रवाल समाज की ओर सेठ मांगीलाल भडाके वाले अग्रवाल समाज भवन में आज अग्रवाल समाज महिला समिति के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन की जीवनी पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

महिला समिति अध्यक्ष मधु याशू मित्तल व मंत्री प्रीति गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि पांच दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव के प्रथम दिवस अग्रवाल समाज भवन पर महाराजा अग्रसेन की जीवनी पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्रभारी पूनम अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज के अध्यक्ष विजय गुप्ता, मंत्री प्रमोद सिंघल व कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल द्वारा महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। समिति उपाध्यक्ष नीतू गोयल व उपमंत्री सीमा गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर वर्ग में आयोजित की गई, जिसमें 32 विद्यार्थीओं ने भाग लिया। समिति कोषाध्यक्ष कविता मित्तल व संरक्षक लता मित्तल ने बताया कि दोनों वर्गो में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीओ को 22 सितम्बर को उपहार भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर व्यवस्थापक रघुपत गर्ग एवं महिला समिति की पूनम गर्ग, योजना गोयल, रेखा गर्ग, अंजू, नीलम, आदि मौजूद रहीं।

जागरूकता से ही विकास सम्भव

झोंपड़ी गांव के ग्रामीणों ने वार्ड सभा में मिलकर बनाई विकास योजना, 10 प्रस्ताव तैयार

खबरों की दुनिया

अलवर। झोंपड़ी गांव के वार्ड नम्बर 13 में ग्रामीणों ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए वार्ड पंच अली मोहम्मद की अध्यक्षता में वार्ड सभा का आयोजन किया। इस सभा में 65 से अधिक महिला-पुरुषों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और वार्ड की विभिन्न समस्याओं पर खुलकर चर्चा करते हुए उनके समाधान हेतु ठोस विकास योजना तैयार की। सभा में सामुदायिक मुद्दों पर केंद्रित 10 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए, जिन्हें आगामी अक्टूबर में आयोजित होने वाली ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की ग्राम सभा में

शामिल किया जाएगा। ग्रामीणों ने साझा किया कि उन्हें पहले यह जानकारी नहीं थी कि वे अपनी समस्याओं को लेकर स्वयं योजना बनाकर सरकार तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन अब उन्हें पंचायतीराज कानून के तहत वार्ड सभा के अधिकार और महत्व का बोध हुआ है। इस अवसर पर इब्तिदा संस्था से आई सामाजिक कार्यकर्ता अनीता ने बताया, ÷जिस प्रकार सरपंच ग्राम पंचायत का मुखिया होता है, उसी तरह वार्ड पंच भी अपने वार्ड का जिम्मेदार होता है। यह उनकी कानूनी जिम्मेदारी है कि वे वार्ड के विकास के लिए सक्रिय रहें और योजनाएं बनाएं।÷ उन्होंने यह भी जोर दिया कि प्रत्येक वर्ष कम से कम दो बार वार्ड सभाओं का आयोजन होना चाहिए, जिससे लोगों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित हो सके और विकास की प्रक्रिया मजबूत हो। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच पति मुबीन खान, सवेरा महिला मंच की कोऑर्डिनेटर शिमला, सामाजिक कार्यकर्ता रहमत, रूद्दार, भगवती, निजरी, नूर मोहम्मद सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी का वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान और कार्यकर्ता सम्मेलन आमोली टोल प्लाजा पर 21 को

भुसावर । राज. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार - वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी वैर द्वारा हस्ताक्षर अभियान हेतु विधानसभा की नवनियुक्त कार्यकारणी के पदाधिकारी ब्लाक कांग्रेस युवा कांग्रेस आदि का मिलन समारोह आयोजित होगा। एवं एक आवश्यक मीटिंग आयोजित होगी। जिसमे करौली -धौलपुर सासंद भजनलाल जाटव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ,विधानसभा प्रभारी भगवानसहाय शर्मा उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष,, हस्द्ध कार्यकर्त्ता, सेवादल , महिला कांग्रेस पदाधिकारी, संगठन के पदाधिकारी व ब्लॉक कांग्रेस वैर भुसावर के समस्त पदाधिकारी ,प्रधान ,सरपंच ,पंचायत समिति सदस्य ,जिला परिषद सदस्य , समस्त कांग्रेस कार्यकर्तागण एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति रहेंगे । यह बैठक हस्ताक्षर अभियान को बैठक में गति देने और संगठनात्मक रणनीति को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी

खबरों की दुनिया

एक नजर

अग्र ध्वजारोहण के साथ अग्रसेन जयंती महोत्सव शुरू

खबरों की दुनिया

झुंझुनूं। अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज समिति द्वारा अग्र ध्वजारोहण व दीप प्रज्वलन से महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव-2025 का हुआ शुभारंभ। अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष गणेश कुमार हलवाई चिड़ावावाला की अध्यक्षता में इसी दौरान अग्र बंधु ज्ञानप्रकाश अग्रवाल, रमेश चंद्र गोयल तोलासरिया, चंद्र प्रकाश बिरमीवाला, विश्वनाथ टीबड़ेवाल, श्याम सुंदर जालान, कजोड मल मित्तल, बिहारी लाल भाटीवाड एवं कैलाश चंद्र सिंघानिया का माला एवं दुपट्टा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। समिति अध्यक्ष गणेश कुमार हलवाई चिड़ावावाला, मंत्री अजीत राणासरिया, कोषाध्यक्ष रितेश सिंघानिया, आशीष तुलस्यान, रवि गुप्ता, संदीप गोयल, सीए लोकेश अग्रवाल, सीए मनीष अग्रवाल, विनोद कुमार सिंघानिया, दिनेश चंद्र अग्रवाल, रघुनाथ प्रसाद पोद्दार सुरेंद्र अग्रवाल, बिनोद कुमार कानोड़िया, प्रदीप अग्रवाल, चंद्रकांत बंका, श्रवण कुमार गोयनका, बालकिशन केडिया, दीपक केडिया, मनीष बगडिया, अशोक मोदी, नरेश कुमार परसरामपुरिया सहित अनेक अग्र बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परमेश्वर लाल हलवाई ने किया।

नवरात्रि एवं दशहरा महोत्सव मेला 2025 का आगाज 22 से मेला ग्राउंड पर 11 दिन रहेगा महासंगम

खबरों की दुनिया

चिड़ावा। शहर में 22 सितंबर से नवरात्रि एवं दशहरा महोत्सव मेले की शुरुआत हो जायेगी। बावलिया पण्डित जी की शिवनगरी की धरा एक बार फिर भक्ति, संस्कृति और उल्लास के रंगों में रंगने को तैयार है। पुरानी बस्ती स्थित देवी जी मन्दिर में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के लिए मन्दिर कमेटी द्वारा तैयारियां की जा रही है। आयोजन समिति के अनिल जोशी ने बताया कि यह महोत्सव मात्र एक मेला नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना व सामुदायिक सौहार्द का एक अनूठा संगम होगा, जो हर आयु वर्ग के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। आगामी 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, श्री देवी जी मन्दिर, टीबड़ा गेस्ट हाउस के पास, 11 दिवसीय नवरात्री एवं दशहरा महोत्सव मेला 2025 के दौरान यहां आने वाले लोगों के लिए सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों, संगीत, नृत्य के साथ पारंपरिक मेले की सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। 22 सितंबर 2025 को सायं 7 बजे उद्घाटन समारोह के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। इसी दिन सायं 7.15 बजे से अभिषेक मिश्रा द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सायं 7 बजे आरती का आयोजन होगा। दोपहर 3.15 से 5.15 बजे तक गरबा व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, जबकि सायं 7 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक रंगारंग संध्या सजेगी। महोत्सव के मुख्य आकर्षणों में रामायण पाठ, दुर्गा चालीसा, अमृतवाणी पाठ, काव्य गोष्ठी, हवन, माता के 9 रूपों की झांकी सहित वर्णन, जीणमाता पाठ, सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा शामिल हैं। इसके साथ ही, शॉपिंग, खाने-पीने के स्टॉल और मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध रहेंगे। 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से देवी इच्छा पर्यंत विशाल भंडारे का आयोजन होगा। विजयादशमी के पावन अवसर पर 02 अक्टूबर को सायं 6 बजे बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। 2 अक्टूबर को ही सायं 7 बजे से समाज की विभिन्न विभूतियों के सम्मान समारोह का आयोजन होगा। डांडिया नाइटः महोत्सव के दौरान डांडिया नाइट भी आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रवेश निःशुल्क रहेगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर देवी जी मन्दिर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी को जिम्मेदारीयां सौंपी गई।

इस अवसर पर महोत्सव के पोस्टर का भी मन्दिर प्रांगण में विमोचन किया गया। पोस्टर के विमोचन के अवसर पर चेयरमैन सुमित्रा सैनी, नीतिका थालोर, रेखा हिम्मतरामका, आंचल भगेरिया, श्रेया व्यास, सुधा जांगिड़, पूजा भगेरिया, अनुपमा, मंजू वर्मा, सोना चेतनीवाल, बिंदु टेलर, ज्योति शर्मा, विजयलक्ष्मी, मनोहर लाल जांगिड़, अशोक जोशी, ललित भगेरिया, प्रदीप पुजारी, अंकित भगेरिया, अनिल जोशी, रमेश जांगिड़, महेश हिम्मतरामका, संदीप हिम्मतरामका, महेन्द्र चौमाल, मुकेश पुजारा, संजय शर्मा, महेन्द्र कुमावत, कै. शंकर लाल, गोपाल महमिया, अमित कुठानिया, राजीव व्यास, विजय नरहड़िया, सुरेन्द्र वैद, अजय कुमार बागड़ी, नथमल शर्मा, संजय वर्मा माइकल, राजकुमार जिसपाल, शुभकरण बजाज, मूलचंद नहरड़िया, रामजी लाल चेजारा, आशीष जिंदल, ओमप्रकाश जालिंद्रा, पवन पांडे सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कथा में सजाई कृष्ण जन्मोत्सव की झांकी

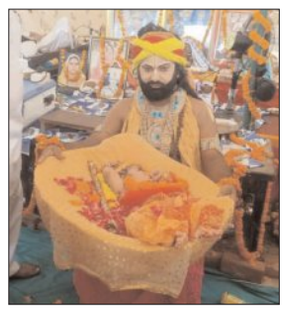

खबरों की दुनिया

बुगाला। आथुणी कोटड़ी में चल रही भागवत कथा में गजेंद्र मोक्ष, वामन अवतार, सूर्य व चन्द्र वंश, यदुवंश की कथा सुनाई। इसके बाद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। वृंदावन के कथावाचक पंडित कृष्णानन्द महाराज ने कहा कि कंस के अत्याचारों से मुक्ति और धर्म की स्थापना के लिए भगवान कृष्ण ने अवतरण लिया था। यह कथा भक्तों को भक्ति, प्रेम और कर्म के मार्गों पर चलने की प्रेरणा देती है। इस मौके पर श्रीकृष्ण को पालकी में बैठाकर नदी पार करने का सजीव चित्रण किया तो पांडाल जयकारों से गूंज उठा।माखन मिश्री, चॉकलेट आदि का प्रसाद बांटा गया।मुख्य यजमान राजेश सिंह रहे।

स्वामी विवेकानंद पार्क में बंसत विहार के नागरिकों ने की सफाई

झुंझुनूं (खबरों की दुनिया)। लायंस क्लब झुंझुनूं गौरव के तत्वावधान में बंसत विहार के ब्लाक ए के पार्क में नागरिकों, विकास समिति सदस्यों व लायंस क्लब के साथी एवं न्यू इंडियन टीचर्स प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षु दीपांशु, कोमल, योगेन्द्र, निखिल, अनील, बंटी, अनिल कुमार, रवि, आशीष, सुभाष, राजपाल आदी ने कार सेवा कर पार्क की सफाई की। इससे शहर के वार्डों के लोग जागरूक होंगे व शहर की सफाई व्यवस्था बदलते हुए दिखेगी। ब्लॉक ए की जन सेवा समिति अध्यक्ष काशीराम पिलानीया, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह मील, सदस्य मामचंद महला, महावीर सिंह पुनिया, बलबीर सिंह सहारण। लांयस क्लब गौरव के अध्यक्ष मनीराम कुलहरी, क्लब चार्टर अध्यक्ष पुर्ण सिंह सैनी, लायन डॉ. सम्पत बारु पाल, लायन पुरुषोत्तम लाल जांगिड़, लायन सुभाष शर्मा, लायन रणधीर सिंह सैनी ने सफाई में योगदान दिया।

69वीं जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में एपीएस स्कूल रही अव्वल

खबरों की दुनिया

चिड़ावा। एपीएस स्कूल चिड़ावा के प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि एपीएस स्कूल चिड़ावा के सानिध्य में बगड़ स्पोर्ट्स जॉन एकेडमी में आयोजित 69 वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में विद्यालय के अंडर 19 वर्षीय छात्र छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झुंझुनूं जिले में प्रथम स्थान एवं अंडर 17 वर्षीय वूशु प्रतियोगिता में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने माता पिता का नाम रोशन किया है। वासु सोमरा , खुशी , सोनिका सोमरा , वर्षा मान , सरीना , पलाक्षा, शिवानी, रितिका मान एवं सिद्दार्थ ने गोल्ड मेडल तथा श्रेयश , जयंत , दक्ष एवं विधि ने सिल्वर मेडल एवं अंकित , पीयूष , संकेत , चार्ली , जोया, मयंक व यशदेव ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। इन सभी मेडल विजेता खिलाड़ियों को आज विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था चेयरमैन डॉक्टर पायल ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन करके एक उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है । उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कोच राकेश सैनी को भी बधाई दी तथा कहा कि आज का मेडल जीतना खेलों के एक कुशल प्रशिक्षण का ही परिणाम है हम इसी तरह से आगे भी खेलों को बढ़ावा देते रहेंगे ताकि हमारे बच्चे अपने अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकें। सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव , पी आर ओ डॉक्टर जी सी शर्मा, सिक्योरिटी ऑफिसर शमशाद खान, अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो कोच राकेश सैनी, पी टी आई अरविंद, पीटीआई अंकित कुमार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

रामलीला मंचन का हुआ पूजन, 22 सितंबर से शुरू

चिड़ावा। शहर में रामलीला के आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में है। शहर के विवेकानन्द चौक के पास साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश पचरंगिया मार्ग स्थित डालमियों के नोहरे में गुरुवार को रामलीला का मंच निर्माण कार्य का शुभारंभ गणेश, बल्ली और मंच पूजन के साथ हुआ। 22 सितंबर से शुरू होने वाली पण्डित मोतीलाल शर्मा के सानिध्य में पंडित लीलाधर शर्मा ने गणेश पूजन करवाया। इस दौरान श्रीरामलीला परिषद के अध्यक्ष प्रमोद अरड़ावतिया, सचिव सुशील पदमपुरिया, कोषाध्यक्ष सुरेश डालमिया, सांस्कृतिक निदेशक महेश शर्मा धन्ना, वरिष्ठ कलाकार मनोहरलाल जांगिड़, बैक स्टेज निदेशक किशोर कुमार नायक, मदन लाल मिस्त्री आदि ने बल्ली पूजन किया। मंच निर्माण से पूर्व बल्ली पूजन कि परम्परा रामलीला के वर्षो से जारी है। माना जाता है कि ये बल्लिया ही पूरे मंच का आधार होती है। ऐसे में वास्तु देव के रूप में इनका पूजन सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

राष्ट्रीय बलिदान दिवस घोषित करने की मांग

खबरों की दुनिया

गुढ़ागोड़जी। निकटवर्ती ऊबली बालाजी बस स्टैंड पर राष्ट्रीय जाट महासंघ युवा मोर्चा के गुढ़ा ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण मूंड के नेतृत्व में तेजाजी महाराज के बलिदान दिवस को राष्ट्रीय बलिदान दिवस घोषित करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। युवा मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण मूंड ने बताया कि तेजाजी महाराज जाट समाज के सबसे लोकप्रिय लोक देवता हैं, राष्ट्रीय जाट महासंघ और सम्पूर्ण जाट समाज की मांग है कि तेजाजी महाराज के बलिदान दिवस को राष्ट्रीय बलिदान दिवस घोषित किया जाए। इस मौके पर सुमेर झाझड़ियां, महेश महला, महेन्द्र कुलहरी, रोहिताश मूंड, जयप्रकाश कुलहरी, अक्षित कुमार, नवीन कुमार , शीशराम बुगालिया, मोहरसिंह, विकास मूंड, राजेन्द्र कुलहरी, सुरेश कुमार एवं मांगूराम महला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय सैनी सभा ने जिला मीडिया प्रभारी जे पी पत्रकार को नियुक्त किया

नवलगढ़(खबरों की दुनिया)। राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार सैनी ने संगठन का विस्तार करते हुए नवलगढ़ निवासी जयप्रकाश सैनी पत्रकार को राष्ट्रीय सैनी सभा (मीडिया प्रकोष्ठ) का झुंझुनूं जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। जे. पी. सैनी द्वारा समाज में उनके सामाजिक कार्यों में योगदान को देखते ये नियुक्ति दी है। राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट डॉ. महेश सैनी की अनुसंशा पर नियुक्त दी गई। जे पी सैनी को प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष, व शहर के गणमान्य लोगों ने और समाज परिवार के लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

संतो के सानिध्य में मनाया प्रधानमंत्री का जन्मोत्सव

नवलगढ़ । शहर में बस स्टैंड रोड पर स्थित श्री ठड्डे वाले बालाजी मंदिर परिसर में संत सुंदर नाथ महाराज के सानिध्य में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं भक्तगणो द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस मनाया गया। मंदिर पुजारी सुभाष शर्मा ने बताया कि मंदिर परिसर को रोशनी से सजाया गया । व दीपक प्रज्वलित किए गए व भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा, कीर्तन व देश भक्ति गीतों के साथ बालाजी महाराज से मोदी के दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की गई। इस मोके पर संत श्री सुंदर नाथ महाराज व राजेंद्र भार्गव व बुधराम वर्मा ने केक काटकर बालाजी को भोग लगाकर सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर गोविंद शर्मा , महेश पराशर, मनीष शर्मा, संतोष शर्मा, प्रमोद धाबाई ,अशोक टेलर , रवि भार्गव,सुशील सोनी, प्रभु सैनीं, प्रवीण कुमावत ,कपिल शर्मा, सुरेंद्र पोरवाल, रामस्वरूप सुरोलिया, दीपक टेलर, सुरेश जोशी, तुषार, नरेंद्र योगी, अजय सुरोलिया ,पीयूष सैन ,संदीप सैन , अशोक माटोलिया, आशीष गुर्जर ,प्रेमपाल दुलर, भास्कर दुलर, सुरेश चेजरा, महावीर घोड़ेला, कमलेश, सोनू, हर्ष, लालू, महेन्द्र जाँगिड, प्रकाश जाँगिड, नितिन, अंकित, नरोतम टेलर , राकेश गुर्जर ,हरिराम टेलर , पूर्णमल कुमावत, पूर्णमल जोशी नरेंद्र कुमावत, सुनील घोड़ेला, जयप्रकाश कुमावत, सुनील कुमावत, राजू सोनी सहित भक्तगण मौजूद रहे।

लक्ष्मण सैनी बने सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

झुंझुनूं (खबरों की दुनिया)। राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार सैनी ने संगठन का विस्तार करते हुए लक्ष्मणराम सैनी आंक वाली ढाणी ओजटू को राष्ट्रीय सैनी सभा के सैनिक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। लक्ष्मणराम सैनी समाज में युवा सामाजिक क्रांति के साथ युवाओं को सेना भर्तियों में आगे बढ़ाने का काम करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. श्रवण सैनी ने नव नियुक्त सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लक्ष्मणराम को समाज में शिक्षा के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से युवाओं को अवगत करवाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट डॉ. महेश सैनी की अनुसंशा पर नियुक्त लक्ष्मणराम समाज की सेवा करते हुए युवाओं को सरकारी योजनाओं और सैनी से लाभ उठाने के लिए जागृत करेंगे।

तान्या योगी व लक्षिता महला भारतीय टीम में चयन

खबरों की दुनिया

झुंझुनूं। राजस्थान की तान्या योगी व लक्षिता महला का चयन एशियन कैडेट तलवारबाजी चैंपियनशिप के लिए हुआ। राजस्थान तलवारबाजी एसोसिएशन के सीओई दाऊद खान व सचिव विष्णु शर्मा ने बताया कि यह दोनों खिलाड़ी है राष्ट्रीय कैडेट चैंपियनशिप 8 से 13 सितंबर तक हल्द्वानी के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में इन दोनों खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन एशियाई कैडेट चैंपियनशिप के लिए हुआ है। अब यह खिलाड़ी भारतीय टीम में प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके टीम कोच सुभाष योगी व संगीता योगी ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हल्द्वानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल इंदौर स्टेडियम में 18 से 22 सितंबर तक आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में एशिया के सभी देश हिस्सा लेंगे। इस मौके पर कोच आकाश योगी, जगदीप बराला मोहित योगी,जतिन शर्मा, विक्की, दिव्या राज गोयल सभी ने खिलाड़ियों को माला पहनकर बधाई दी।

शेखावाटी फाउंडेशन का स्थापना समारोह 25 को

खबरों की दुनिया

झुंझुनूं। शेखावटी फाउंडेशन की स्थानीय ईकाई की स्थापना एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 25 सितंबर को डीएम मोदी सभागृह समसपुर रोड़ झुंझुनूं एकेडमी में किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक प्रमेन्द्र कुल्हार ने बताया कि शेखावाटी फाउंडेशन एक गैर राजनीतिक राष्ट्रीय संगठन है। इस संगठन की राजस्थान राज्य की इकाई सक्रियता से कार्यरत है। फाउंडेशन का उद्देश्य शेखावाटी सहित झुंझुनूं जिले के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक विकास में योगदान देना व केन्द्र एवं राज्य सरकार व स्थानीय लोगों के समन्वय से ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण, विकास की योजनाएं स्वीकृत करवाकर लागू करने आदि सृजनात्मक व प्रगतिमूलक कार्यों में मिलकर योगदान देने का है। फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष दिलीप मोदी और महासचिव दीपेंद्र बुडानियां ने बताया कि शेखावाटी फाउंडेशन की राष्ट्रीय एवं राज्य इकाइयों के अनुमोदन पर जिले की इकाई का गठन किया जा रहा है। स्थापना समारोह के जिला कलेक्टर अरुण गर्ग के मुख्य अतिथि होंगे। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव गजानंद शर्मा, मुख्य संयोजक पशुपति कुमार शर्मा, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, प्रदेश सचिव राकेश लाटा, हरिशंकर शर्मा, गिरधारीलाल शर्मा एवं प्रकाश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम में सीकर व चूरू इकाइयों के पदाधिकारी, सदस्य भी शामिल होंगे।

कस्तूरबा गांधी स्कूल में बालिकाओं को बांटी यूनिफॉर्म

खबरों की दुनिया

झुंझुनूं। स्त्री शक्ति महिला समूह द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं को यूनिफॉर्म बांटी। डॉ. अन्नूश्री फाउंडेशन सोसायटी की ओर से हुए कार्यक्रम में विशेष तौर पर डॉ. अमित चौधरी मौजूद रहे। उन्होंने सभी बालिकाओं को यूनिफॉर्म दी और स्वास्थ्य को लेकर चर्चा की। डॉ. अमित चौधरी ने वैक्सीनेशन से लेकर अच्छे स्वास्थ्य के लिए उपयोगी जानकारी दी। इस मौके पर स्त्री शक्ति महिला समूह की ओर से डॉ. मीना शेखावत, सुमन मील, ललित राठौड़, रविता चौधरी, मंजू कुमावत, शशि नूनियां, अंजू शर्मा, सोनू जांगिड़ मौजूद रहे। सभी ने इस मौके पर यह तय किया गया कि बालिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए सालभर में अलग अलग विशेषज्ञ चिकित्सकों के जरिए स्कूल परिसर में फ्री मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे।

69वीं जिला ताईक्वांडो चैम्पियनशिप में झुंझुनूं एकेडमी का रहा शानदार प्रदर्शन

खबरों की दुनिया

झुंझुनूं। 69वीं जिला ताईक्वांडो चैम्पियनशिप में झुंझुनूं एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड, 7 सिल्वर व 5 ब्रॉन्ज सहित कुल 16 मेडल जीते हैं। ताइक्वांडो कोच राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि 69वीं जिला ताईक्वांडो चैम्पियनशिप के छात्र वर्ग में झुंझुनूं एकेडमी के छात्र अमन कुमार ने अंडर-17 आयु वर्ग में 63 कि.ग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल, नवीन कुमार ने 59 कि.ग्रा में सिल्वर मेडल, तन्सु धनखड़ ने 35 कि.ग्रा भार वर्ग, पीयूष कानवट ने 38 कि.ग्रा भार वर्ग एवं मोहम्मद इसरान ने 55 कि.ग्रा भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। छात्रा वर्ग में तांजिल ने 55 कि.ग्रा भार वर्ग, निधि सुलतानिया ने 63 कि.ग्रा भार वर्ग, दीप्ति यादव ने 38 कि.ग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल तथा दिपानिता ने 42 कि.ग्रा भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। अंडर-19 छात्र वर्ग में प्रिंस थालौर ने 78 कि.ग्रा भार वर्ग, कृष्णा त्रिपाठी ने 74 कि.ग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल, ऋषि झाझड़िया ने 68 कि.ग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल, मनीष यादव ने 59 कि.ग्रा भार वर्ग ब्रॉन्ज मेडल जीता वहीं छात्रा वर्ग में तन्वी ने 68 कि.ग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल एवं सुहानी बंसल ने 49 कि.ग्रा भार वर्ग, जानवी ने 68 कि.ग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर जिले व स्कूल का नाम गौरवान्वित किया है। कृष्णा त्रिपाठी, प्रिंस थालौर, अमन कुमार एवं अवनी का चयन ताईक्वांडो की स्टेट चैम्पियनशिप के लिए हुआ है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि झुंझुनूं एकेडमी स्कूल के खिलाड़ी हर जगह खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी ने बताया कि 69वीं जिला ताईक्वांडो चैम्पियनशिप में सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा है। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, डायरेक्टर गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा तथा प्रशासक कमलेश कुलहरि ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल में आकाशदीप एवं जनता गर्ल्स स्कूल की छात्राओं का आकर्षक लोकनृत्य

जयपुर(खबरों की दुनिया)। शुक्रवार को दीप स्मृति ऑडिटोरियम में आयोजित राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के ग्रैंड फिनाले में आकाशदीप पब्लिक स्कूल, मानसरोवर एवं जनता गर्ल्स सीनियर सेकंडरी स्कूल, झोटवाड़ा की छात्राओं ने भाग लिया। इस आयोजन में शहर के 16 स्कूलों ने भागीदारी की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिनेत्री भाग्यश्री और अभिषेक गहलोत एवं मेलविन लुइस रहे। आकाशदीप पब्लिक स्कूल की बालिकाओं ने मनमोहक गढ़वाली लोक नृत्य तथा जनता गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. एल.सी. भारतीय ने दोनों विद्यालयों के प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जनता स्कूल की उपनिदेशिका मीनू भारतीय, शिक्षक मनीला सिंह व आकाशदीप के अरमान सोलंकी की भूमिका प्रशंसनीय रही।

एक नजर

यूडीएच के प्रिंसीपल सेक्रेट्री देबाशीष ने जवाहर सर्किल में शहरी सेवा शिविर का किया निरीक्षण

खबरों की दुनिया

जयपुर। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने आवासन मण्डल के वृत-तृतीय, जयपुर कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर वहां उपस्थित लोगों से फीडबैक लिया और अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए कि कार्य सम्पन्न करवाने आए व्यक्ति को कम से कम समय में लाभान्वित करें।

शिविर में आए लोगों ने व्यवस्थाओं को सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

मण्डल अध्यक्ष ने कई आवेदकों को त्वरित राहत प्रदान करवाई। उन्होंने विभिन्न पत्रावलियों, कार्यों एवं मण्डल द्वारा जारी किये जा रहे प्रपत्रों का अवलोकन भी किया।

इस दौरान देबाशीष पृष्टि ने शिविर में लाभान्वित विभिन्न आवंटियों को अदेय प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रपत्र इत्यादि वितरित किये गये।

नगरीय समस्याओं का हाथों हाथ हो रहा निस्तारण, नर सेवा नारायण सेवा को कर रहे चरितार्थ:

आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने बताया की मण्डल द्वारा आयोजित शिविरों में अब तक कुल 316 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों का निस्तारण भी जल्द से जल्द करने के लिए कार्यवाही शुरू की जा चुकी है। मण्डल द्वारा शिविरों में आवासीय योजनाओं, भवन निर्माण अनुमति, लीज़ कन्वर्ज़न, नामान्तरण, बकाया निस्तारण सहित अन्य सेवाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान हाथों हाथ किया जा रहा है ।

जोधपुर डिस्कॉम ठेका सफाई कर्मचारी राकेश का निधन, अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहयोग राशि देकर जताई संवेदना

खबरों की दुनिया

जोधपुर। जोधपुर डिस्कॉम मुख्यालय में सफाई व्यवस्था सम्भाल रहे राकेश का बीमारी के कारण हाल ही में निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से पूरे डिस्कॉम परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। वे यहां ठेका कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे।

राकेश की सेवाओं को याद करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपसी सहयोग से एक लाख एक सौ इक्यावन रुपये की राशि संग्रहित की। यह सहयोग राशि डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने मृतक राकेश की पत्नी को सौंपी।

इस अवसर पर डॉ. भंवरलाल ने राकेश के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि डिस्कॉम परिवार हमेशा कठिन समय में अपने साथियों के परिजनों के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को संबल देने की प्रार्थना की।

श्री शाकंभरी माता मंदिर में 22 व श्री जमवाय माता मंदिर में 30 सितम्बर को आयोजित होगी सांस्कृतिक संध्या

खबरों की दुनिया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की पहल पर राज्य में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत राजस्थान संगीत नाटक अकादमी जोधपुर द्वारा 22 सितंबर को नवरात्रि स्थापना के अवसर पर सांभरलेक स्थित श्री शाकंभरी माता मंदिर में शाम 5 बजे से 6:30 बजे तक व 30 सितम्बर को जमवारामगढ़ मे स्थित श्री जमवाय माता मंदिर के सामने 5 से 6:30 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या में श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों के मनोरंजन हेतु राजस्थान के विभिन्न अंचलों के लोक कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी जाएगी। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर के सचिव शरद व्यास ने बताया कि सांस्कृतिक सृजन पखवाड़े के दौरान राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा राज्य के विभिन्न पुरातात्विक स्थलों एवं मंदिरों में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ।

ग्रामीण सेवा शिविर

मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली डिंगाई, गुंदोज व पोमावा में सुनी जनसमस्याएं

खबरों की दुनिया

पाली। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत डिंगाई, गुंदोज व पोमावा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का अवलोकन किया।

डिंगाई में शिविर का अवलोकन करने के दौरान उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि वे जन समस्याओं के समाधान के प्रति कृतसंकल्पित हैं और क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीण सेवा शिविर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को धरातल पर उतारने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

कुमावत ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं सुशासन पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है और लोगों को यह विश्वास हो चुका है कि राज्य सरकार उनके सपनों को साकार करने वाली सरकार है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किये।

इस दौरान सरपंच प्रेम कुमारी ने स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत द्धारा ग्राम पंचायत क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पाली पंचायत समिति प्रधान मोहिनी देवी,पाली एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत, कार्यवाहक बीडीओ गोपाल, हुकम सिंह खरोखड़ा आदि मौजूद रहे।

इस मौके पर पाली तहसीलदार कलपेश कुमार, मंगलाराम प्रजापत, भंवर सिंह, यशवंत सैन, नारायण , रमेश आदि मौजूद रहे।

इसी तरह पोमावा में मंत्री कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकरियों से उनका समाधान करवाया।

गुंदोज में लाभार्थियों को सौंपे पट्टे

कुमावत ने ग्राम पंचायत गुंदोज में आयोजित ग्राम सेवा शिविर में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से योजनाओं और उनकी क्रियान्विति के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी ली। शिविर में कुमावत ने नामांतकरण पत्र, सहमति विभाजन पत्र, आवासीय पट्टा, बीज मिनीकिट का वितरण किया। उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सब्सिडी राशि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत सहायता राशि के चैक लाभार्थियों को वितरित किए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के तहत बीमा राशि का चैक भी सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत लाभार्थियों को बीमा बॉन्ड सौंपा और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सहायता राशि का भुगतान किया। कुमावत ने खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी सौंपे। इस दौरान मंत्री कुमावत ने एक पेड़, मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। सरपंच श्री दिनेश बंजारा ने स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत द्धारा ग्राम पंचायत क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

सेवा शिविर : 70 साल पुराने भूमि विवाद का हुआ समाधान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा के लिए एक ऐतिहासिक पल लेकर आया। लगभग 70 वर्षों से चले आ रहं खातेदारी भूमि विवाद का समाधान यहाँ आपसी सहमति से हो गया। गाँव के डूंगरराम, त्रिलोकराम, पपली देवी, भूराराम, निंबाराम, मेघाराम और शोभाराम की कुल 2.5161 हेक्टेयर भूमि वर्षों से विवादों में उलझी हुई थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रहे इस मामले में बंटवारा संभव नहीं हो पा रहा था। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित प्री-कैंप में राजस्व अधिकारियों ने सभी खातेदारों को सहमति विभाजन हेतु समझाइश की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **अजय भारतीय** द्वारा आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म जयपुर से मुद्रित एवं आकाशदीप सेक्टर-11 अग्रवाल फार्म, जयपुर से प्रकाशित। **सम्पादक :** एल. सी. भारतीय **मोबाइल:** 9829061123 **फोन :** 0141-2397778